E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 58 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, गुरुवार 10 सितंबर, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

तीन रेल परियोजनाओं को कैबिनेट की मंजूरी, पीएम मोदी बोले- कनेक्टिविटी के साथ पर्यटन को भी मिलेगा बढ़ावा

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने रेलवे की तीन महत्वपूर्ण मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। करीब 10,783 करोड़ रुपए की लागत वाली इन परियोजनाओं से पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में रेल नेटवर्क का विस्तार होगा तथा माल और यात्री परिवहन को नई गति मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि कैबिनेट के इस फैसले से पांच राज्यों में रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी, लॉजिस्टिक्स लागत कम होगी और विशेष रूप से विरासत एवं वन्यजीव पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से रेलवे नेटवर्क का विस्तार होने के साथ-साथ लाखों लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। कैबिनेट द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं में खड़गपुर - झारसुगुड़ा (बागदेही) चौथी रेल लाइन, कटनी - पेंड्रा रोड चौथी रेल लाइन, बिलासपुर (उसलापुर) - पेंड्रा रोड तीसरी रेल लाइन शामिल हैं। इन परियोजनाओं को वर्ष 2029-30 तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। बताया गया कि बढ़ी हुई लाइन क्षमता से आवागमन में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेल की प्रचालनगत दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। इन बहु-ट्रैकिंग प्रस्तावों से परिचालन सुव्यवस्थित होगा और भीड़भाड़ में कमी आएगी। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के विजन के अनुरूप हैं। इनका उद्देश्य क्षेत्र के व्यापक विकास के माध्यम से इस क्षेत्र के लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत बनाई गई हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श के माध्यम से मल्टीमॉडल-कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। इन परियोजनाओं से लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी। पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्यों के 14 जिलों को कवर करने वाली इन तीन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के वर्तमान नेटवर्क में लगभग 656 किलोमीटर की वृद्धि होगी। प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से लगभग 4,790 गांवों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी, जिनकी आबादी लगभग 56 लाख है। प्रस्तावित क्षमता वृद्धि से देश भर के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों तक रेल संपर्क में सुधार होगा, जिनमें तारातारिणी मंदिर, श्री क्षेत्र जगन्नाथ मंदिर (झारसुगुड़ा के पास स्थित प्राचीन मंदिर), बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, विराटेश्वर मंदिर, अमरकंटक मंदिर, ज्वालेश्वर धाम, अचानकमार टाइगर रिजर्व, खुटाघाट बांध, मल्हार पुरातात्विक स्थल, रतनपुर महामाया मंदिर आदि शामिल हैं। प्रस्तावित परियोजनाएं कोयला, सीमेंट, लोहा और इस्पात आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक रूट हैं। क्षमता वृद्धि कार्यों से प्रति वर्ष 27 मिलियन टन (एमटीपीए) माल ढुलाई की अतिरिक्त क्षमता प्राप्त होगी। पर्यावरण-अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन माध्यम होने के कारण जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने में रेलवे सहायक होगा। कोयला, सीमेंट, लौह अयस्क और इस्पात जैसे माल की बड़ी मात्रा में ढुलाई इन मार्गों से होती है।

'सही तस्वीर दिखाता है': केंद्र ने जीएसटी ग्रोथ अनुमानों की आलोचना को खारिज किया

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जीएसटी रेवेन्यू ग्रोथ के अपने हिसाब-किताब की आलोचना को खारिज कर दिया है। सरकार का कहना है कि तुलना एक जैसे आधार पर की जानी चाहिए, न कि अलग-अलग टैक्स बेस के बीच। सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेस एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) ने बुधवार को एक बयान में कहा कि हर महीने जारी होने वाले जीएसटी रेवेन्यू के आंकड़े पूरी जानकारी के साथ जीएसटी रेवेन्यू परफॉर्मेंस की सही तस्वीर दिखाते हैं। सीबीआईसी के बयान में कहा गया है कि जीएसटी काउंसिल ने तंबाकू और उससे जुड़े उत्पादों को छोड़कर बाकी सभी चीजों पर 22 सितंबर, 2025 से कंपनसेशन सेस को बंद करने का फैसला किया था। तंबाकू और उससे जुड़े उत्पादों पर सेस भी 1 फरवरी, 2026 से हटा दिया गया था। इसलिए, इस अवधि के लिए कोई सेस कलेक्शन नहीं हुआ। सीबीआईसी के बयान में आगे कहा गया, 'इसलिए, दो अलग-अलग टैक्स बेस से आंकड़ों को चुनकर पेश करने की कोई भी कोशिश पूरी तरह से गुमराह करने वाली और शरारतपूर्ण है।

बंगाल से राष्ट्र-विरोधी ताकतों और भगवा का अपमान करने वालों को उखाड़ फेंका जाएगा: सीएम अधिकारी

थिंक राजस्थान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने बुधवार को कहा कि देश-विरोधी ताकतों और 'भगवा' का अपमान करने वालों को राज्य की धरती से उखाड़ फेंका जाएगा। उन्होंने बुधवार दोपहर कोलकाता में 'गेरुआ सम्मान यात्रा' (भगवा गौरव यात्रा) निकाली। यह यात्रा जाधवपुर यूनिवर्सिटी (जेयू) कैंपस में देश-विरोधी नारों और ग्रैफिटी के विरोध में थी। रैली के आखिर में उन्होंने जेयू के उन छात्र समूहों को कड़ी चेतावनी दी जो कैंपस के अंदर 'कश्मीर मांगे आजादी' जैसे नारे लगा रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा, 'मैंने उन लोगों को जड़ से खत्म करने की कसम खाई है जो जेयू में 'कश्मीर मांगे आजादी' जैसे नारे लगाते हैं या मारे गए माओवादी नेता किशनजी को 'रेड सैल्यूट' देते हैं; जेयू उत्कृष्टता का केंद्र है। आप सभी जानते हैं कि 2011 में मैंने पश्चिम बंगाल से कम्युनिस्टों को सत्ता से हटाने की कसम खाई थी। फिर 2026 में मैंने राज्य से जमात-समर्थक ताकतों को हटाने की एक और कसम खाई। अब मैं वादा करता हूं कि चैतन्य महाप्रभु, स्वामी विवेकानंद और ऋषि अरबिंदो जैसे महान लोगों की इस महान भूमि पर हर जगह भगवा रंग होगा।' 'गेरुआ सम्मान यात्रा' बुधवार को दक्षिण कोलकाता के गोलपार्क क्रॉसिंग से शुरू हुई। यह यात्रा 8बी बस स्टैंड क्रॉसिंग पर खत्म हुई, जो जेयू कैंपस के पास है।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने पीएम मोदी के बदलाव लाने वाले नेतृत्व को सलाम किया

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संवैधानिक सार्वजनिक पद पर 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में भाजपा ने एक महीने तक चलने वाला 'सेवा संकल्प अभियान' शुरू किया है। इस अभियान में उनकी राजनीतिक यात्रा को 'निर्णायक शासन, कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने, राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत की महत्वाकांक्षाओं में बुनियादी बदलाव की कहानी' के तौर पर पेश किया जा रहा है। बुधवार को भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि यह कैंपेन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा। पीएम मोदी के 25 साल के 'सेवा, सुशासन और जन कल्याण' के कामों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए 12 कार्यक्रम तय किए गए हैं। भाजपा का मुख्य तर्क यह है कि पीएम मोदी का रिकॉर्ड सिर्फ लंबे समय तक सत्ता में रहने का नहीं है, बल्कि बड़े पैमाने पर गवर्नेंस का है। नितिन नवीन के अनुसार, यह बदलाव सरकार के कल्याणकारी ढांचे में दिखता है। 80 करोड़ लोगों को अनाज की मदद मिल रही है, 100 करोड़ से ज्यादा लोग सामाजिक सुरक्षा योजना से जुड़े हैं, लगभग 12 करोड़ शौचालय बनाए गए हैं, गरीबों के लिए 4 करोड़ से ज्यादा घर बनाए गए हैं और 200 करोड़ मुफ्त कोविड-19 वैक्सीन डोज दी गई है। पार्टी का यह भी दावा है कि 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। नवीन ने इसकी तुलना 2014 में पीएम मोदी को मिली स्थिति से की, जिसे उन्होंने पॉलिसी पैरालिसिस (नीतिगत गतिरोध) और आर्थिक अनिश्चितता का दौर बताया। भाजपा अब भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक के तौर पर पेश करती है और तर्क देती है कि गवर्नेंस धीरे-धीरे सुधार करने के बजाय मिशन-मोड में काम करने और इंफ्रास्ट्रक्चर-आधारित विकास की ओर बढ़ी है।

बंगाल और असम समेत 5 राज्यों के चुनाव में बीजेपी को मिला कांग्रेस से 7 गुना ज्यादा चंदा, EC ने जारी किए आंकड़े

थिंक राजस्थान

दिल्ली। इस साल असम, बंगाल, पुडुचेरी, केरलम और तमिलनाडु में हुए विधानसभा चुनाव में किस पार्टी को कितना चंदा मिला, इसका आंकड़ा चुनाव आयोग ने जारी किया है। आयोग के मुताबिक 15 मार्च से लेकर 4 मई तक के चुनावी समय में बीजेपी को कांग्रेस से करीब 7 गुना ज्यादा फंड मिला। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, बीजेपी को 1,472.8 करोड़ रुपए तो वहीं कांग्रेस को 207.17 करोड़ रुपए का चंदा मिला। बीजेपी ने सबसे ज्यादा खर्च असम चुनाव में खर्च किया। पार्टी ने राज्य में 96 करोड़ रुपये खर्च किए। इनमें 76.73 करोड़ रुपए प्रचार और 19.54 करोड़ रुपए उम्मीदवारों पर खर्च हुए। बीजेपी ने असम विधानसभा चुनाव 2026 में 82 सीटों पर जीत दर्ज की, जो कि पिछले चुनाव की तुलना में 22 सीटें ज्यादा हैं। 5 राज्यों में से असम, बंगाल पुडुचेरी बीजेपी और उसके सहयोगियों की जीत हुई। वहीं, केरल में इंडिया गठनबंधन और तमिलनाडु में विजय की टीवीके और कांग्रेस की सरकार है। चुनाव आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी ने असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में लगभग 160 रुपये खर्च किए। इनमें से करीब 130 करोड़ रुपये प्रचार और बाकी के उम्मीदवारों व उससे जुड़े खर्च पर लगे। वहीं बात करें कांग्रेस की तो उसने केरलम चुनाव में सबसे ज्यादा खर्च किया। पार्टी ने वहां करीब 60 करोड़ रुपये खर्च किए। वहीं असम में कांग्रेस का चुनावी खर्च 22.62 करोड़ रुपये रहा। चुनाव आयोग के आंकड़ों से यह भी सामने आया कि दोनों प्रमुख राष्ट्रीय दलों के चुनावी खर्च में राज्यों के हिसाब से अंतर रहा। भाजपा ने प्रचार अभियान पर सबसे अधिक जोर दिया, जबकि उम्मीदवारों से जुड़े खर्च का हिस्सा भी पार्टी के कुल व्यय में शामिल रहा।

चुनावी अवधि के दौरान बड़े पैमाने पर प्रचार, जनसभाओं और अन्य संगठनात्मक गतिविधियों पर खर्च किया गया। पांचों राज्यों के चुनाव में चंदे और खर्च का यह विवरण राजनीतिक दलों की चुनावी तैयारियों और संसाधनों की स्थिति को समझने में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भाजपा को मिले चंदे की राशि कांग्रेस की तुलना में काफी अधिक रही, जिससे दोनों दलों के बीच उपलब्ध चुनावी संसाधनों में बड़ा अंतर दिखाई देता है। कांग्रेस ने केरल के अलावा असम में भी चुनावी अभियान पर खर्च किया। केरल में करीब 60 करोड़ रुपये के खर्च के साथ पार्टी ने वहां अपने चुनावी अभियान को प्राथमिकता दी। वहीं असम में उसका खर्च 22.62 करोड़ रुपये रहा। अलग-अलग राज्यों में खर्च का स्तर स्थानीय चुनावी मुकाबले और पार्टी की रणनीति के अनुरूप रहा। इससे यह पता चलता है कि राजनीतिक दल चुनाव के दौरान उपलब्ध धनराशि का इस्तेमाल किस तरह प्रचार अभियान और प्रत्याशियों से जुड़े चुनावी प्रबंधन में करते हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कोलंबो में गंगारामया मंदिर का दौरा किया

थिंक राजस्थान

कोलंबो। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने श्रीलंका की यात्रा के दौरान बुधवार को कोलंबो के गंगारामया मंदिर का दौरा किया। राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, "मुझे कोलंबो में पवित्र गंगारामया मंदिर जाने और भगवान बुद्ध का आशीर्वाद लेने का सौभाग्य मिला। तेजी से बदलते वैश्विक माहौल में, भगवान बुद्ध का शांति, भाईचारे और आपसी समझ का शाश्वत संदेश हमें तब भी मार्गदर्शन देता रहता है जब हम विभिन्न भू-राजनीतिक चुनौतियों का सामना करते हैं।" इससे पहले दिन में राजनाथ सिंह ने श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या से मुलाकात की और विकास सहयोग, शिक्षा और संस्कृति जैसे प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। उन्होंने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से भी मुलाकात की और दोनों देशों की भलाई और विकास के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

गांधीनगर में बड़ा हादसा, निर्माणाधीन इमारत का हिस्सा गिरा, 10 से 12 मजदूर फंसे, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

थिंक राजस्थान

गांधीनगर। गुजरात के गांधीनगर में बुधवार की रात बड़ा हादसा हो गया। शहर के कुडासन इलाके में एक निर्मणाधीन इमारत का हिस्सा अचानक ढह गया। मलबे में 10 से 12 मजदूरों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस, दमकल विभाग और विशेष टीमें रेस्क्यू में जुटी हुई हैं। डिप्टी सीएम हर्ष संघवी भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। हादसा रात करीब सवा 9 बजे के करीब हुआ। 'बॉस्की द एम्पायर' नाम की कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में लोहे का एक भारी स्लैब अचानक भरभराकर ढह गया, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। दर्जन भर मजदूरों के लोहे और मलबे के नीचे दबे होने की आशंका जताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कॉम्प्लेक्स में दो यूनिटों के बीच लोहे का स्ट्रक्चर बनाया जा रहा था, जो कि अचानक भरभराकर गिर गया। जिस समय हादसा हुआ वहां 10-12 मजदूर काम कर रहे थे। आवाज इतनी तेज थी कि सुनकर आसपास लोग तुरंत मौके पर एकत्रित हो गए और मलबे में दबे लोगों को निकालना की कोशिश शुरू कर दी। घायलों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाने के लिए अस्पताल भेजा गया है। एंबुलेंस के एक कर्मचारी ने मीडिया को बताया कि अभी तक 11 लोगों को अस्पताल ले जाया जा चुका है। इनमें 2 महिलाएं और 9 पुरुष थे। सभी काम करने वाले मजदूर थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। मलबे के नीचे किसी और के दबे होने की आशंका को देखते हुए रेस्क्यू टीमों ने सावधानीपूर्वक मलबा हटाने का काम शुरू किया। मौके पर एंबुलेंस भी तैनात की गईं, ताकि बाहर निकाले गए लोगों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया जा सके। डिप्टी सीएम हर्ष संघवी के घटनास्थल पर पहुंचने के बाद राहत कार्यों का जायजा लिया गया। अधिकारियों से हादसे की स्थिति और अब तक चलाए गए रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी ली गई। प्रशासन की ओर से मलबे में फंसे संभावित मजदूरों तक पहुंचने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे में अब तक 11 मजदूरों को अस्पताल पहुंचाया गया है। इनमें दो महिलाएं और नौ पुरुष शामिल बताए जा रहे हैं।

पाकिस्तान में 100 साल पुराना हिंदू मंदिर ढहा, अल्पसंख्यक समुदायों में बढ़ी चिंता

थिंक राजस्थान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के नारोवाल में 100 साल से अधिक पुराने एक हिंदू मंदिर के ढहने के बाद देश के अल्पसंख्यक समुदायों में चिंता बढ़ गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, विभिन्न पक्षों के अलग-अलग दावों ने इस मामले को और विवादित बना दिया है।

अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठन पाकिस्तान मसीहा मिल्लत पार्टी ने आरोप लगाया है कि मंदिर को जानबूझकर गिराया गया, ताकि पास स्थित एक मदरसे के लिए अधिक जगह बनाई जा सके। वहीं, पाकिस्तान के इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (जो विभाजन के बाद भारत चले गए हिंदू और सिख समुदाय की संपत्तियों का प्रबंधन करता है) का कहना है कि मंदिर भारी बारिश के कारण ढह गया। पंजाब सरकार ने भी ईटीपीबी के इस दावे का समर्थन किया है।

मोदी कैबिनेट की MP को बड़ी सौगात, बिलासपुर-कटनी रेलवे ट्रैक को 4 लेन करने की दी मंजूरी

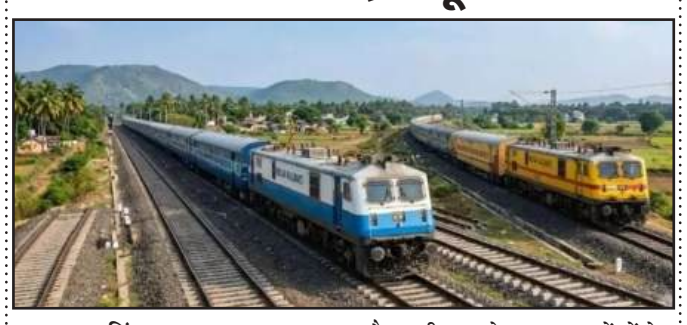

थिंक राजस्थान

भोपाल। देश के 7 व्यस्त रेल रूट को 4 लेन में बदलने की योजना को केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को मंजूरी दे दी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी दी। इस फैसले से इन रूट पर ट्रेनों की आवाजाही आसान होगी और मालगाड़ियों की संख्या भी बढ़ाई जा सकेगी। रेलवे के इन प्रोजेक्ट से मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ को भी फायदा मिलने की उम्मीद है। रेलवे के जरिए सामान पहुंचाना सड़क के मुकाबले कम खर्चीला होता है। ऐसे में ट्रैक की क्षमता बढ़ने से माल ढुलाई को भी बढ़ावा मिलेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि झारसुगुड़ा और छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में रेल नेटवर्क पर काफी दबाव है। इन क्षेत्रों में लंबे समय से रेल नेटवर्क का विस्तार नहीं हुआ था। उन्होंने कहा कि पिछले 12 साल में छत्तीसगढ़ में कई नए रेल प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है। छत्तीसगढ़ आदिवासी क्षेत्र है और यहां विकास की काफी जरूरत है। रेल कनेक्टिविटी बेहतर होने से लोगों के साथ-साथ राज्य की अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा। यह क्षेत्र देश की ऊर्जा जरूरतों के लिहाज से भी काफी महत्वपूर्ण है। बिलासपुर से पेंड्रा होते हुए कटनी तक जाने वाले रेल रूट पर अभी कहीं दो तो कहीं तीन रेलवे लाइन हैं।

संपादकीय

चूरू जिले में प्रथम चरण का मतदान शांतिपूर्ण संपन्न, पांच निकायों में 72.95 प्रतिशत मतदान

एजेंसी, थिंक राजस्थान

चूरू। नगर निकाय आम चुनाव-2026 के प्रथम चरण में बुधवार को चूरू जिले की पांच नगरीय निकायों—चूरू व सुजानगढ़ नगरपरिषद तथा राजगढ़, रतननगर व छापर नगरपालिका में वार्ड सदस्यों के लिए मतदान शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। मतदाताओं ने उत्साह के साथ मतदान किया। पांचों निकायों में कुल 2,55,602 मतदाताओं में से 1,86,465 ने मतदान किया, जिससे औसत मतदान 72.951 प्रतिशत रहा। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर अभिषेक सुराणा ने शांतिपूर्ण मतदान के लिए मतदाताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जागरूक और जिम्मेदार मतदाताओं की भागीदारी में निहित है। उन्होंने मतदान प्रक्रिया में सहयोग के लिए निर्वाचन अधिकारियों-कर्मचारियों, पुलिस एवं सुरक्षा बलों, मतदान दलों, बीएलओ, पर्यवेक्षकों सहित सभी कार्मिकों को भी धन्यवाद दिया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर अर्पिता सोनी के अनुसार राजगढ़ नगरपालिका में सर्वाधिक 78 प्रतिशत मतदान हुआ। रतननगर में 75.99 प्रतिशत, छापर में 75.04 प्रतिशत, चूरू नगरपरिषद में 72.81 प्रतिशत और सुजानगढ़ नगरपरिषद में 69.45 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। चूरू के 60 वार्डों में 96,790 में से 70,469, सुजानगढ़ के 60 वार्डों में 83,511 में से 58,000, राजगढ़ के 40 वार्डों में 46,782 में से 36,491, रतननगर के 20 वार्डों में 10,948 में से 8,319 तथा छापर के 25 वार्डों में 17,571 में से 13,186 मतदाताओं ने मतदान किया। दूसरे चरण में 11 सितंबर को सरदारशहर नगरपरिषद तथा तारानगर, साहवा, रतनगढ़, राजलदेसर और बीदासर नगरपालिका में मतदान होगा। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित क्षेत्रों के मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की है। मतदान समाप्त होने के बाद सभी मतदान केंद्रों पर चुनाव प्रक्रिया से जुड़े आवश्यक कार्य पूरे किए गए। मतदान के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों की तैनाती रही। प्रशासन की ओर से मतदान प्रक्रिया पर लगातार नजर रखी गई, जिससे किसी भी क्षेत्र में अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो।

नगर निकाय चुनाव: आबकारी विभाग ने शराब की दुकानें सील कीं

एजेंसी, थिंक राजस्थान

नगर निकाय चुनाव-2026 को लेकर जिले में मतदान वाले क्षेत्रों में सूखा दिवस लागू किया गया है। इसके तहत आबकारी विभाग ने शराब की दुकानों को सील करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। मतदान वाले क्षेत्रों में 11 सितंबर की शाम 6 बजे तक शराब की बिक्री पूरी तरह बंद रहेगी। आबकारी विभाग की टीमों ने संबंधित नगरीय निकाय क्षेत्रों में शराब की दुकानों का निरीक्षण कर उन्हें सील किया।

विभाग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि सूखा दिवस के दौरान शराब की बिक्री, वितरण या किसी भी माध्यम से आपूर्ति पर रोक रहेगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नगर निकाय चुनाव के दूसरे चरण का मतदान 11 सितंबर को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होना है। मतदान को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था भी कड़ी की गई है। आबकारी विभाग की टीमों ने मतदान क्षेत्रों में शराब की दुकानों के साथ अन्य संभावित बिक्री स्थलों पर भी निगरानी बढ़ा दी है। अधिकारियों की ओर से दुकानदारों को सूखा दिवस के नियमों की जानकारी देते हुए निर्धारित अवधि में किसी भी तरह की शराब बिक्री नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। सील की गई दुकानों को मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही नियमानुसार खोला जा सकेगा।

प्रशासन की ओर से यह व्यवस्था चुनाव के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने वाली गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से की गई है। मतदान से पहले और मतदान के दिन शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लागू रहने से चुनावी माहौल में शांति और निष्पक्षता बनाए रखने में मदद मिलने की उम्मीद है। प्रशासन और पुलिस की टीमें मतदान वाले क्षेत्रों में लगातार गश्त कर रही हैं। संवेदनशील स्थानों और मतदान केंद्रों के आसपास विशेष निगरानी रखी जा रही है। किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि या चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

95 वर्षीय वृद्धा से पहली बार मतदान करने वाले युवाओं तक, चूरू में लोकतंत्र के महापर्व में दिखा उत्साह

एजेंसी, थिंक राजस्थान

चूरू। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के प्रथम चरण में बुधवार को चूरू, सुजानगढ़, राजगढ़, रतननगर एवं छापर में सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान हुआ। लोकतंत्र के इस महापर्व में बुजुर्गों, दिव्यांगों, महिलाओं और नवमतदाताओं सहित हर वर्ग ने उत्साह के साथ मतदान कर लोकतांत्रिक जिम्मेदारी निभाई। राजगढ़ के वार्ड 29 की 95 वर्षीय गीता देवी चलने-फिरने में असमर्थ होने के बावजूद परिजनों की मदद से मतदान केंद्र पहुंचीं और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं वार्ड 31 की राजबाला का हाल ही में ऑपरेशन हुआ था, लेकिन उन्होंने भी परिजनों और मतदान केंद्र के स्टाफ की सहायता से नेहरू बाल मंदिर स्कूल में मतदान किया। चूरू के वार्ड 20 स्थित ऑक्सफोर्ड स्कूल मतदान केंद्र पर 51 वर्षीय दिव्यांग मोहम्मद छोटू असलम स्काउट स्वयंसेवक विनोद की सहायता से वोट डालने पहुंचे। उन्होंने कहा कि शारीरिक अक्षमता कर्तव्य की राह में बाधा नहीं बन सकती और मतदान हर नागरिक का अधिकार व फर्ज है। नवमतदाताओं में भी खासा उत्साह रहा। चूरू के वार्ड 54 की दिव्या चनानी तथा राजगढ़ के वार्ड 18 की अंशिका और नूतन ने पहली बार मतदान किया।

मतदान खत्म होते ही BJP का 'ऑपरेशन बोर्ड' शुरू, प्रशिक्षण वर्ग के नाम पर प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में निकाय चुनाव के पहले चरण का मतदान खत्म होते ही भाजपा ने बोर्ड गठन की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। चुनाव परिणाम से पहले ही पार्टी ने संभावित जोड़-तोड़ और क्रॉस वोटिंग रोकने के लिए अपने प्रत्याशियों को एकजुट रखने की कवायद शुरू कर दी है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, खासकर उन निकायों में जहां भाजपा बहुमत के करीब रहने की संभावना है, वहां प्रत्याशियों को मतदान के तुरंत बाद सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की तैयारी की गई है। भाजपा की ओर से इस कवायद को 'प्रशिक्षण वर्ग' बताया जा रहा है, लेकिन राजनीतिक तौर पर इसे बोर्ड गठन से पहले की बाड़ेबंदी माना जा रहा है। चुनाव प्रभारियों और स्थानीय विधायकों को करीबी मुकाबले वाले निकायों में सभी प्रत्याशियों पर नजर रखने और उन्हें एक साथ सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। कई जगह होटल और रिसॉर्ट भी तैयार रखे जाने की जानकारी है।

डीडवाना विधायक यूनुस खान को मतदान से रोकने और धक्का-मुक्की का आरोप

एजेंसी, थिंक राजस्थान

कुचामन सिटी। डीडवाना नगर परिषद चुनाव के दौरान बुधवार को वार्ड नंबर 11 के मतदान केंद्र पर पूर्व मंत्री एवं निर्दलीय विधायक यूनुस खान के साथ कथित धक्का-मुक्की को लेकर हंगामा हो गया। यूनुस खान अपने परिवार के साथ मतदान करने पहुंचे थे। विवाद के चलते करीब आधे घंटे तक मतदान बाधित रहा। पुलिस ने मौके से दो लोगों को हिरासत में लिया। बताया गया कि मतदान केंद्र पर कुछ लोग अंदर आ गए और यूनुस खान से उलझ पड़े। इसके बाद विधायक और उनके समर्थकों तथा दूसरे पक्ष के बीच बहस और हंगामा शुरू हो गया। पुलिस और प्रशासन ने दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु शर्मा, वृत्ताधिकारी उमेश गुप्ता और थाना प्रभारी मोहन सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बूथ से लोगों को बाहर निकालकर सुरक्षा बढ़ाई और 200 मीटर के दायरे में मौजूद लोगों को भी हटा दिया। यूनुस खान ने आरोप लगाया कि वे बूथ के मतदाता होने के कारण पत्नी, बेटे, बेटी और अन्य परिजनों के साथ मतदान करने पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ अनधिकृत लोग अंदर घुसे और उनके आईडी कार्ड छीन लिए। उन्होंने खुद के साथ धक्का-मुक्की करने और मतदान से रोकने का आरोप लगाया। विधायक ने इस मामले में कांग्रेस के पूर्व विधायक चेतन डूडी और भाजपा नेता जितेंद्र सिंह जोधा पर मिलीभगत का आरोप भी लगाया। यूनुस खान ने आरोप लगाया कि डीडवाना में भाजपा और कांग्रेस एकजुट होकर उन्हें मतदान से रोक रही हैं। उन्होंने एसपी से शिकायत कर बूथ में अनधिकृत रूप से प्रवेश करने वालों की गिरफ्तारी और उन्हें व उनके परिवार को पुलिस सुरक्षा में मतदान कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब तक एसपी मौके पर आकर एफआईआर दर्ज नहीं कराते, तब तक वह और उनका परिवार मतदान नहीं करेगा।

बारिश की विदाई का संदेश, कांस के फूलों से सफेद हुई धरती

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मानसून अब विदाई की ओर है आसमान में बादलों की आवाजाही भले जारी हो, लेकिन प्रकृति ने मौसम बदलने का अपना संदेश दे दिया है।

जयपुर-कूकस रोड के आसपास इन दिनों दूर तक फैले कांस के सफेद फूल मानो धरती पर बिछी चांदी की चादर नजर आ रहे हैं।

पहाड़ियों की हरी पृष्ठभूमि के बीच सफेद कांस का यह विस्तार ऐसा दृश्य रच रहा है, जिसे देखते ही निगाहें ठहर जाती हैं। कांस के फूलों का खिलना भारतीय लोक-परंपरा में लंबे समय से वर्षा ऋतु की विदाई और शरद ऋतु के आगमन से जोड़ा जाता रहा है। इसकी खूबसूरती का वर्णन गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस में भी किया है

"विगत शरद रितु आई, देखहूं लक्ष्मण परम सुहाई।
फूले कास सकल मही छाई, जनु बरसा कृत प्रकट बुढ़ाई॥"

बीकानेर में भाजपा विधायक और बूथ अधिकारी में बहस, समर्थकों ने की नारेबाजी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। नगर निकाय चुनाव के दौरान बीकानेर के वार्ड 45 में रबर फैक्ट्री के पास स्थित बूथ संख्या 95 पर भाजपा विधायक जेठानंद व्यास और बूथ अधिकारी के बीच बहस हो गई। बताया गया कि विधायक के मतदान केंद्र के अंदर जाने पर बूथ अधिकारी ने उन्हें बाहर निकलने और बूथ से 200 मीटर की दूरी बनाए रखने के लिए कहा। इसके बाद विधायक के समर्थक आक्रोशित हो गए और मौके पर नारेबाजी करने लगे। घटना के बाद मतदान केंद्र पर कुछ देर माहौल गरम रहा। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभालने का प्रयास किया। घटना के बाद मतदान केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई और अधिकारियों ने दोनों पक्षों से बातचीत कर स्थिति को शांत कराने का प्रयास किया। मतदान प्रक्रिया प्रभावित न हो, इसके लिए पुलिसकर्मियों ने मौके पर मौजूद समर्थकों को नियंत्रित किया और उन्हें मतदान केंद्र से दूर रहने के निर्देश दिए। बताया गया कि बूथ अधिकारी की ओर से मतदान केंद्र के आसपास निर्धारित दूरी और चुनावी नियमों का पालन कराने पर जोर दिया गया। वहीं विधायक के समर्थकों की ओर से इस कार्रवाई को लेकर नाराजगी जताई गई। बहस बढ़ने के बाद कुछ समय के लिए बूथ परिसर में तनाव का माहौल बन गया। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लिया और मतदान प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए। प्रशासन की प्राथमिकता बूथ पर किसी तरह की नारेबाजी या भीड़ के कारण मतदान कार्य में व्यवधान न आने देना रही। इसके बाद स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास किए गए। चुनाव के दौरान मतदान केंद्रों के आसपास राजनीतिक गतिविधियों और भीड़ को लेकर निर्वाचन नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी बूथ अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों की होती है। ऐसे में अधिकारियों की ओर से निर्धारित नियमों के अनुसार लोगों की आवाजाही नियंत्रित की जाती है। फिलहाल मतदान केंद्र पर व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा कर्मियों की मौजूदगी में मतदान प्रक्रिया जारी रही।

गहलोत बोले- 'जोधपुर में गड्ढों वाली सड़कें, CM की गाड़ी भी हिचकोले खा रही', शेखावत-बेनीवाल मिले गले

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जोधपुर। नगर निकाय चुनाव के प्रचार के अंतिम दिन बुधवार को भाजपा, कांग्रेस और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) ने पूरी ताकत झोंक दी। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने घंटाघर में कांग्रेस के पक्ष में सभा करते हुए शहर की बदहाल सड़कों को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सड़कों में इतने गड्ढे हैं कि मुख्यमंत्री की गाड़ी भी हिचकोले खा रही थी, ऐसे में आम जनता की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने जोधपुर में कांग्रेस का बोर्ड बनाने की अपील की। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी विभिन्न वार्डों में दौरा कर भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में मतदान की अपील की। वहीं नागौर सांसद और आरएलपी नेता हनुमान बेनीवाल ने जोधपुर में पार्टी के 24 प्रत्याशियों के समर्थन में सभाएं कीं। बेनीवाल ने दावा किया कि इस बार आरएलपी की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। उन्होंने भाजपा और कांग्रेस पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि दोनों दलों को प्रदेश के विकास से कोई लेना-देना नहीं है। गहलोत ने भाजपा को निकाय चुनाव में 'झटका' देने की अपील करते हुए कहा कि इससे शहर के काम होंगे। उन्होंने केंद्रीय मंत्री शेखावत से जोधपुर के लिए किए गए कार्यों का हिसाब मांगते हुए आरोप लगाया कि शहर में सफाई व्यवस्था खराब है और सड़कें टूटी हुई हैं। गहलोत ने कहा कि उनकी सरकार ने जोधपुर के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी थी। इस बीच माता का थान, मगरा पूंजला और नया पुरा होते हुए चैनपुरा जा रहे गजेंद्र सिंह शेखावत का काफिला हनुमान बेनीवाल के काफिले के सामने आ गया। दोनों नेता वाहनों से उतरे और गर्मजोशी से गले मिलकर अभिवादन किया।

जयपुर की 18 निकायों में 87.06 प्रतिशत वोटिंग, ईवीएम खराबी और चुनाव चिन्ह को लेकर कुछ जगह हंगामा

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। नगरीय निकाय चुनाव के पहले चरण में बुधवार को जयपुर जिले की 18 नगरीय निकायों में मतदान संपन्न हुआ। जिले में कुल 87.06 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। कालाडेरा नगर पालिका में सबसे अधिक 89.91 प्रतिशत वोटिंग हुई। मतदान के लिए 565 बूथ बनाए गए थे, जिनमें 152 बूथ संवेदनशील श्रेणी में रखे गए। मतदान शुरू होने के साथ कुछ स्थानों पर ईवीएम में तकनीकी खराबी की शिकायतें सामने आईं, जिन्हें प्रशासन ने तकनीकी टीम की मदद से दूर कराया। शाहपुरा नगर परिषद के वार्ड 40 स्थित बूथ संख्या 49 पर सुबह करीब 8 बजे ईवीएम का एक बटन काम नहीं करने से मतदाताओं ने मतदान केंद्र के बाहर विरोध जताया। तकनीकी टीम ने करीब 25 मिनट में मशीन ठीक कर दी और 8:25 बजे मतदान दोबारा शुरू हुआ। चाकसू नगर पालिका के बूथ संख्या 18 पर ईवीएम में एक निर्दलीय प्रत्याशी का चुनाव चिन्ह स्पष्ट दिखाई नहीं देने को लेकर प्रत्याशी और समर्थकों ने नारेबाजी करते हुए विरोध किया। इसके चलते कुछ देर मतदान प्रभावित रहा। वहीं कानोता नगर पालिका के वार्ड 19 के बूथ पर ईवीएम में तकनीकी खराबी आने से मतदान रोकना पड़ा। बाद में नई मशीन मंगवाकर मतदान दोबारा शुरू कराया गया। अब सभी 18 निकायों के चुनाव परिणामों की मतगणना 14 सितंबर को निर्धारित केंद्रों पर होगी। मतदान समाप्त होने के बाद सभी ईवीएम को निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के लिए प्रशासन की ओर से आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। प्रत्याशियों और उनके प्रतिनिधियों की मौजूदगी में ईवीएम को सुरक्षित रखने की प्रक्रिया पूरी की गई, ताकि मतगणना के दौरान पारदर्शिता और सुरक्षा बनी रहे। जिले में मतदान के दौरान सामने आई तकनीकी दिक्कतों को छोड़कर अधिकांश मतदान केंद्रों पर प्रक्रिया शांतिपूर्ण रही। जहां भी ईवीएम से जुड़ी शिकायतें मिलीं, वहां तकनीकी टीमों को मौके पर भेजकर समस्या का समाधान कराया गया। प्रशासन ने मतदान प्रभावित होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था कर प्रक्रिया को दोबारा शुरू कराया। संवेदनशील बूथों पर सुरक्षा व्यवस्था विशेष रूप से कड़ी रही। पुलिस और सुरक्षा बलों की तैनाती के साथ मतदान केंद्रों के आसपास भी निगरानी रखी गई। अधिकारियों ने मतदान केंद्रों पर अनावश्यक भीड़ और किसी भी तरह की चुनावी गतिविधि से बचने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। हालांकि, अंतिम परिणाम मतगणना पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होंगे।

राजस्थान/ प्रादेशिक

जिला निर्वाचन अधिकारी ने फतेहपुर व लक्ष्मणगढ़ में मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सीकर। जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष मोदी ने 9 सितम्बर 2026 बुधवार को फतेहपुर व लक्ष्मणगढ़ नगर पालिका के विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर मतदान व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष मोदी ने मतदान केन्द्रों पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए पोलिंग एजेन्टों को अपना पहचान-पत्र निर्धारित रूप से धारण कर मतदान केन्द्र में उपस्थित रहने के निर्देश दिए।

उन्होंने संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर अनावश्यक भीड़-भाड़ नहीं होने देने तथा मतदान प्रक्रिया के दौरान आवश्यक समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने फतेहपुर में वार्ड नम्बर 28 में अम्बेडकर भवन, विवेकानंद सी.सै. स्कूल में स्थापित बूथ नम्बर 101, बौचीवाल भवन के बूथ नम्बर 128,मालियों की धर्मशाला के बूथ नम्बर 54, प्रेरणा भवन तथा लक्ष्मणगढ़ में बह्मानंदजी गेस्ट हाउस के लक्ष्मणगढ़ के बूथ नम्बर 04, तोदी महाविद्यालय में वार्ड नम्बर 11, श्री गांधी विद्या निकेतन के बूथ नम्बर 108,बूथ नम्बर 21, मदरसा तालीमूल इस्लाम संस्थान के बूथ नम्बर 12, विनायक कॉलेज के बूथ नम्बर 26 का निरीक्षण कर मतदान प्रक्रिया के संबंध में पीठासीन अधिकारियों से जानकारी लेकर आवश्यक दिशा—निर्देश दिए। मदरसा तालीमूल इस्लाम संस्थान के बूथ पर 96 वर्षिय अनारदीन अपने पोते वसीम के साथ मतदान करने के लिए व्हील चैयर पर बैठक कर आए। निरीक्षण के दौरान सीकर पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत, सीईओ जिला परिषद राजपाल यादव, राजस्व अपीलीय अधिकारी राकेश गढ़वाल,उपखण्ड अधिकारी फतेहपुर पंकज गढ़वाल, लक्ष्मणगढ़ उपखण्ड अधिकारी भावेश धनवंत उपस्थित रहे।

76.24 प्रतिशत मतदाताओं ने किया मताधिकार का प्रयोग, खाटूश्यामजी में 85.41 प्रतिशत मतदान

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सीकर। नगर पालिका आम चुनाव 2026 के तहत बुधवार को प्रथम चरण में जिले की 10 नगर निकायों—फतेहपुर, लक्ष्मणगढ़, पलसाना, दांता, खाटूश्यामजी, रींगस, खण्डेला, श्रीमाधोपुर, अजीतगढ़ एवं नीमकाथाना—में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। मतदान को लेकर मतदाताओं में खासा उत्साह और उमंग देखने को मिला। सुबह 7 बजे मतदान शुरू होने के साथ ही मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की कतारें लगनी शुरू हो गईं और शाम तक मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। प्रथम चरण की इन 10 नगर निकायों में कुल 3 लाख 2 हजार 69 मतदाताओं में से 2 लाख 33 हजार 370 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस प्रकार कुल 76.24 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान केन्द्रों पर युवा, महिला, बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं ने भी उत्साहपूर्वक मतदान किया। जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष मोदी ने बताया कि सभी नगर पालिका क्षेत्रों में मतदान निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न हुआ। मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मतदान दलों ने पोलिंग एजेन्टों की मौजूदगी में मॉकपोल की प्रक्रिया पूरी करने के बाद मतदान शुरू करवाया। मतदाताओं ने ईवीएम के माध्यम से अपने पसंदीदा उम्मीदवार के पक्ष में मतदान किया। नगर पालिका खाटूश्यामजी में मतदाताओं ने मतदान को लेकर विशेष उत्साह दिखाया। यहां कुल 10 हजार 969 मतदाताओं में से 9 हजार 865 मतदाताओं ने मतदान किया, जिससे मतदान प्रतिशत 85.41 प्रतिशत रहा। मतदान केन्द्रों पर दिनभर मतदाताओं की आवाजाही बनी रही। मतदान प्रक्रिया को व्यवस्थित और सुचारू बनाए रखने में श्री श्याम विद्या स्कूल के स्काउट विद्यार्थियों ने भी सेवाएं दीं। स्काउट बच्चों ने मतदान केन्द्र पर पहुंचने वाले मतदाताओं को आवश्यक सहयोग प्रदान किया तथा कतार व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाओं में सहयोग करते हुए अपनी जिम्मेदारी निभाई। बच्चों की अनुशासित एवं सेवा भावना से परिपूर्ण भूमिका की लोगों ने सराहना की। प्रथम चरण में रींगस में सर्वाधिक 85.71 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि मतदाताओं की सजग एवं सक्रिय सहभागिता लोकतंत्र को और मजबूत करती है।

नई अफीम नीति के लिए वित्तमंत्री से किसान प्रतिनिधि मंडल की दिल्ली में हुई वार्ता

एजेंसी, थिंक राजस्थान

उदयपुर। भारतीय किसान संघ का मंगलवार को पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल भारत सरकार के वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से कर्तव्य भवन नई दिल्ली में मिला और अफीम किसानों को आ रही समस्याओं से अवगत कराकर, समाधान करने का मांग पत्र सौंपा। वार्ता से पूर्व प्रतिनिधि मंडल ने भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय संगठन मंत्री दिनेश कुलकर्णी से संगठन के दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय पर अफीम किसानों के लिए पूर्व में कई बार हुई मंत्रालय के साथ वार्ता के बिंदुओं पर समीक्षा की वही अब आगे होने वाली वार्ता के बिंदुओं पर विस्तार से मंथन किया और समाधान के लिए सुझाव तैयार किए उसके बाद प्रतिनिधि मंडल के रूप में वित्तमंत्री से वार्ता के लिए कर्तव्य भवन जाना तय हुआ हुआ। वित्तमंत्री से हुई वार्ता के प्रमुख बिंदु 1990 से आजतक विभाग अथवा किसान के पास उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार समस्त कटे हुए पट्टे जारी किये जावें।

जयपुर जिले में शांतिपूर्ण मतदान, 87.06 प्रतिशत मतदाताओं ने किया मताधिकार का प्रयोग

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के प्रथम चरण के तहत बुधवार को जयपुर जिले के विभिन्न नगरीय निकाय क्षेत्रों में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी वातावरण में सम्पन्न हुई। मतदान को लेकर मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। पहली बार मतदान करने वाले युवा मतदाताओं से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक ने लोकतंत्र के इस महापर्व में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उपलब्ध मतदान प्रतिशत के अनुसार अन्तिम रूप से जयपुर जिले में कुल 87.06 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान केन्द्रों पर दिनभर मतदाताओं की आवाजाही बनी रही और अनेक केन्द्रों पर उत्साहपूर्वक कतारों में खड़े होकर मतदाताओं ने मतदान किया। मतदान के दौरान मतदाताओं की बढ़ती भागीदारी का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि जयपुर जिले में प्रातः 10 तक 29.47 प्रतिशत, दोपहर 1:00 बजे तक 58.29 प्रतिशत, अपराह्न 3 बजे तक 72.66 प्रतिशत तथा अन्तिम रूप से 87.06 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान केन्द्रों पर प्रशासन की ओर से मतदाताओं की सुविधा के लिए आवश्यक मूलभूत व्यवस्थाएं, पेयजल, बैठने सहित आवश्यक सुविधाओं का ध्यान रखा गया तथा मतदान प्रक्रिया को सुगम एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए कार्मिकों ने पूरी तत्परता से कार्य किया।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर व्यावसायिक प्रशिक्षण का समापन, 35 महिला नवसाक्षरों ने लिया प्रशिक्षण

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भीलवाड़ा। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत कोदूकोटा के पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत छह दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण का समापन मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुवाणा गणपत लाल वर्मा की अध्यक्षता में हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन रूटसेट संस्थान, सुवाणा के माध्यम से किया गया। इसमें 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग की कोदूकोटा ग्राम पंचायत की 35 महिला नवसाक्षरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान साबुन, शैंपू, बर्तन धोने का लिक्विड, हार्पिक तथा सैनिटाइजर बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प लिया। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी गणपत लाल वर्मा ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को रूटसेट संस्थान के माध्यम से अनुभव प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए हैं। इन प्रमाण पत्रों का उपयोग प्रशिक्षणार्थी बैंक से ऋण लेते समय अपने अनुभव के प्रमाण के रूप में कर सकेंगी। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी विजयपाल वर्मा व सतीश झवर, संदर्भ व्यक्ति अक्षय दाधीच, प्रशासनिक अधिकारी मुकेश पाराशर, रूटसेट संस्थान के निदेशक, प्रशिक्षण प्रभारी अनिरुद्ध, प्रधानाचार्य कौशल श्रगी, साक्षरता प्रभारी मोहम्मद इकबाल, पंचायत शिक्षक बलवीर तथा ब्लॉक साक्षरता समन्वयक सत्यनारायण तिवारी सहित अन्य उपस्थित रहे। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में ब्लॉक क्षेत्र के सभी राजकीय विद्यालयों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें मेहंदी, निबंध, रंगोली एवं नवसाक्षर महिलाओं की कुर्सी रेस प्रतियोगिता के साथ साक्षरता रैली सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित हुईं। प्रतियोगिताओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। इनमें राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पीपली के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक मीणा को साक्षर सर्वे 2026-27 में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने, ब्लॉक में ओपन बोर्ड के लिए महिला नवसाक्षरों के सर्वाधिक आवेदन करवाने तथा ग्राम पंचायत पीपली के राजस्व ग्राम कलूड़िया में कृषि उद्यमी नवसाक्षरों को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिलाने के लिए सम्मानित किया गया।

क्षत्रिय सरगरा महासंगठन महासभा लूणी पट्टा की नई कार्यकारिणी गठित

एजेंसी, थिंक राजस्थान

लूणी। नई कार्यकारिणी में नारायण सागर को कोषाध्यक्ष, सुरेश कुमार को सचिव, उदाराम सतलाना को संरक्षक तथा प्रकाश गुड़ा को संगठन मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा चेतनराम गुड़ा, भगवानराम लूणी, भगाराम जोगी, अशोक फिंच, भगाराम झालामंड, भीमाराम लूणी, कपूराराम रोहिचा, ढलाराम लोलासनी, राजुराम निबली, कालूराम खाराबेरा, राजूराम सालावास, मदन भूरा, सिमरथ राम, हनुमान गुड़ा, महेंद्र मारू, बाबूलाल गुड़ा, केसाराम मारू, राकेश सोलंकी, अशोक कागनाडा और बीजाराम सतलाना सहित समाज के लोगों को विभिन्न दायित्व सौंपे गए। नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का समाजबंधुओं ने माला और साफा पहनाकर स्वागत किया। बैठक में नदवांन स्थित राजा बलि मंदिर के विकास को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

साइबर हेल्प डेस्क के जरिए लाखों श्रद्धालुओं को बनाया जा रहा साइबर जागरूक

एजेंसी, थिंक राजस्थान

हनुमानगढ़। महानिदेशक पुलिस राजस्थान राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में राजस्थान पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'साइबर सुरक्षित राजस्थान' अभियान तथा सितंबर माह को साइबर जागरूकता माह के रूप में मनाए जाने के क्रम में हनुमानगढ़ पुलिस ने गोगामेड़ी मेले में एक अनोखी पहल की है। महानिरीक्षक पुलिस बीकानेर रेंज ओमप्रकाश के निर्देशानुसार एवं जिला पुलिस अधीक्षक हनुमानगढ़ बी. आदित्य के नेतृत्व में मेले में विशेष साइबर हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। इसका उद्देश्य देश-प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से पहुंच रहे लाखों श्रद्धालुओं को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के साथ उन्हें तत्काल सहायता उपलब्ध कराना है। गोगामेड़ी मेले में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। ऐसे में उनकी भौतिक सुरक्षा के साथ-साथ डिजिटल सुरक्षा को भी प्राथमिकता देते हुए पुलिसकर्मी हेल्प डेस्क के माध्यम से सरल भाषा में साइबर अपराधों के नए तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दे रहे हैं। साइबर हेल्प डेस्क पर श्रद्धालुओं को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया फ्रॉड और फर्जी निवेश सहित विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं को विशेष रूप से समझा रहे हैं कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, पिन, पासवर्ड अथवा बैंकिंग से जुड़ी गोपनीय जानकारी साझा नहीं करें और किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें। हेल्प डेस्क पर साइबर ठगी होने की स्थिति में तत्काल कार्रवाई के महत्व को भी समझाया जा रहा है। पुलिसकर्मी बता रहे हैं कि साइबर फ्रॉड के बाद शुरुआती समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। इस 'गोल्डन आवर्स' में कार्रवाई होने से ठगी की रकम को रोकने की संभावना बढ़ सकती है। यहां अलग-अलग तरह के साइबर फ्रॉड, उनके तरीके और बचाव के उपायों से संबंधित पोस्टर एवं अन्य जागरूकता सामग्री प्रदर्शित की गई है।

राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में अवैध खनन पर सख्ती, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने दिए जीरो-टॉलरेंस के निर्देश

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। उच्चतम न्यायालय के आदेशों तथा केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) की सिफारिशों की अनुपालना में राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य क्षेत्र में अवैध बालू-बजरी खनन की रोकथाम एवं वन्यजीव संरक्षण की दिशा में राज्य सरकार ठोस व निर्णायक कदम उठा रही है। इसी क्रम में बुधवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित हुई, जिसमें विभिन्न विभागों की अब तक की अनुपालना तथा आगामी अदालती सुनवाई की तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार उच्चतम न्यायालय के निर्देशों की पालना के प्रति पूर्णतः संवेदनशील और गंभीर है। राज्य द्वारा 9 अगस्त को विस्तृत शपथ-पत्र प्रस्तुत किया जा चुका है और अधिकांश महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रभावी अमल सुनिश्चित कर लिया गया है।

बैठक के दौरान बताया गया कि अभयारण्य क्षेत्र में तैनात वन अधिकारियों-कर्मचारियों को कार्यस्थल पर वैधानिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 के तहत आवश्यक अधिसूचना 13 अगस्त को ही जारी की जा चुकी है।

मध्य प्रदेश के मुरैना मॉडल की तर्ज पर जिला स्तर पर अंतर-विभागीय समन्वय हेतु 'ज्वाइंट एसओपी' भी लागू कर दी गई है।

इस वैधानिक ढांचे को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने के लिए भौतिक निगरानी तंत्र को भी सुदृढ़ किया जा रहा है । खनन माफिया और अवैध परिवहन पर 24x7 नजर रखने हेतु हाई-मास्ट टावर, ऑप्टिकल फाइबर तथा एआई व थर्मल नाइट विजन सक्षम कैमरों की स्थापना तेजी से जारी है, वहीं शुष्क मौसम व मानसून उपरांत नदी के स्वरूप और नए मार्गों की पहचान के लिए जिला कलेक्टरों द्वारा नियमित ड्रोन सर्वे भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

पुलिस प्रशिक्षण के साथ पर्यावरण की पाठशाला बनेगा पीटीएस मोरवानिया

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। अरावली क्षेत्र के पारिस्थितिकीय संतुलन को मजबूत करने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय (पीटीएस), मोरवानिया उदयपुर में आज एक महत्वाकांक्षी पर्यावरणीय परियोजना का शुभारंभ हुआ। ग्रीन पीपल सोसाइटी के सहयोग से प्रारंभ इस परियोजना के तहत विद्यालय परिसर की करीब 4,500 मीटर लंबी सीमा और प्रशिक्षण मैदानों में अगले तीन वर्षों में 5,000 से अधिक देशी प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। प्रथम चरण में 1,500 पौधे रोपने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना की शुरुआत उदयपुर पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव, क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) सुनील छिब्री, वन्यजीव मुख्य वन संरक्षक मुकेश सेनी, उप वन संरक्षक देवेंद्र तिवारी तथा पीटीएस की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं कमांडेंट नियति शर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारियों और गणमान्य लोगों ने पौधारोपण कर की। पौधारोपण के बाद पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में रणनीतिक बैठक हुई।

मनोरंजन समाचार

छठ पूजा के प्रति मेरे मन में हमेशा से बहुत सम्मान रहा है: तमन्ना भाटिया

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया की फिल्म 'द व्वान' के जरिए बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के लिए तैयार है। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा मुख्य किरदार में हैं। फिल्म की खास बात यह कि इसमें आस्था का महापर्व छठ पूजा के महत्व को दिखाया गया है। अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने फिल्म में 'छठी मैया' गाने की तैयारी के बारे में बताया। तमन्ना ने बताया कि इस भक्ति गीत के साथ पूरा न्याय करने के लिए उन्होंने छठ के महत्व को समझने और उसके बारे में पढ़ने पर खास ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि छठ पूजा के प्रति मेरे मन में हमेशा से बहुत सम्मान रहा है। गाने की शूटिंग शुरू करने से पहले, मैंने इस रस्म के महत्व और बिहार व पटना में इसे कैसे मनाया जाता है, यह समझने में काफी समय बिताया। सच कहूं तो, इसकी शक्ति के बारे में जानकर मैं हैरान रह गई। छठी मैय्या के साथ मैंने जो गहरा जुड़ाव महसूस किया, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मैंने खुद को उनसे बहुत गहराई से जुड़ा हुआ पाया। अभिनेत्री ने कहा कि छठ पूजा 'द व्वान' का एक बहुत अहम हिस्सा है और मैं इस रस्म का अनुभव किसी और तरीके से नहीं करना चाहती थी। विशाल मिश्रा ने 'छठी मैय्या' गाना गाया है। इस दिल को छू लेने वाले गाने के बोल कौशल किशोर ने लिखे हैं और कोरियोग्राफी चिन्नी प्रकाश ने की है। इस फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं; फिल्म में पहली बार सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। सोशल मीडिया पर इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा है। फैंस की माने तो बॉक्स पर फिल्म अच्छा बिजनेस करेगी। 'द व्वान' 25 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'सभी लोगों से खूब मेहनत करवाते हैं', अक्षय कुमार के जन्मदिन पर राशि खन्ना ने शेयर किया मजेदार वीडियो

अक्षय कुमार के जन्मदिन पर फैंस के साथ-साथ सेलेब्स भी उन्हें बधाई दे रहे हैं। इस कड़ी में राशि खन्ना ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी और उनके साथ बिताए एक मजेदार पल का वीडियो भी साझा किया है। इस वीडियो में अक्षय कुमार, विद्या बालन और राशि खन्ना साथ में डांस करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में अक्षय अपने खास अंदाज में डांस करते दिख रहे हैं और पीछे एक प्राइवेट जेट भी नजर आ रहा है। राशि ने इस वीडियो के साथ अक्षय के लिए एक प्यारा भरा मैसेज भी लिखा है, जिसमें उन्होंने अभिनेता की मेहनत और उनके मजाकिया अंदाज की तारीफ की। उन्होंने लिखा, ''उस इंसान के नाम, जो अपने आसपास के सभी लोगों से खूब मेहनत करवाते हैं और उससे भी ज्यादा हंसाते हैं। ज्यादा डांस और ज्यादा शरारत करते हैं। जन्मदिन मुबारक हो, अक्षय सर!'' वीडियो में अक्षय, विद्या और राशि, तीनों की मस्ती लोगों को काफी पंसद आ रही है। बता दें कि अक्षय और राशि जल्द ही अनीस बज्मी की आने वाली फैमिली कॉमेडी फिल्म में साथ दिखाई देंगे। फिल्म का नाम अभी सामने नहीं आया है, लेकिन इसकी स्टारकास्ट ने पहले ही लोगों की दिलचस्पी बढ़ा दी है। इसमें अक्षय कुमार और विद्या बालन की जोड़ी भी लंबे समय बाद फिर से साथ नजर आएगी। दोनों को इससे पहले एक साथ 'भूल भुलैया' में देखा गया था और अब एक बार फिर दोनों पर्दे पर साथ आने वाले हैं। वहीं, अनीस बज्मी के साथ अक्षय की भी लंबे समय बाद वापसी हो रही है। दोनों ने इससे पहले 'वेलकम' में साथ काम किया था और अब करीब 15 साल बाद निर्देशक और अभिनेता की यह जोड़ी दोबारा साथ आई है। इससे पहले अक्षय ने अपने बर्थडे पर आने वाली फिल्म 'हैवान' से जुड़ा एक वीडियो पोस्ट किया था और उसके साथ जिंदगी को देखने का अपना नजरिया भी बताया। उन्होंने कहा कि हर चीज वैसी नहीं होती जैसी पहली नजर में दिखाई देती है।

भोजपुरी सिनेमा की बदलती तस्वीर पर आम्रपाली दुबे ने रखी राय

सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस' के नए सीजन में पंजाबी अभिनेत्री लवप्रीत गिल और भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री आम्रपाली दुबे भी आई हैं। शो में एंट्री के साथ ही दोनों अभिनेत्रियों को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। लवप्रीत गिल की तुलना 'बिग बॉस 13' की सबसे चर्चित कंटेस्टेंट्स में शामिल रहीं शहनाज गिल से की जा रही है। शहनाज गिल 'बिग बॉस' के इतिहास की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली पंजाबी कंटेस्टेंट्स में से एक रही हैं। 'बिग बॉस 13' में शहनाज ने 'पंजाब की कटरीना' के रूप में एंट्री ली थी और देखते ही देखते अपने चुलबुले अंदाज से दर्शकों की फेवरेट बन गई थीं।

क्या शैरॉन वर्मा को डेट कर रहे हैं समय रैना? कॉमेडियन ने बताया अफवाहों का सच, इंटरनेट के माथे मढ़ा दोष

समय रैना इन दिनों अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। आए दिन समय रैना का शो किसी न किसी विवाद में घिर जाता है। हाल ही में समय रैना अपने शो के एक एपिसोड को लेकर फिर विवादों में घिर गए। शो के दौरान 'बिहारी-कश्मीरी' कमेंट पर समय रैना और पैनलिस्ट रहीं शैरॉन वर्मा आलोचनाओं के घेरे में आ गए। इसी बीच कॉमेडियन की पर्सनल लाइफ को लेकर भी अलग-अलग दावे किए जाने लगे। पिछले दिनों समय रैना का नाम एक्ट्रेस मेधा शंकर से जुड़ रहा था, लेकिन शैरॉन वर्मा के साथ उनकी बॉन्डिंग देखने के बाद कुछ लोगों ने शैरॉन के साथ भी उनका नाम जोड़ना शुरू कर दिया। अब समय रैना ने खुद इन अफवाहों का सच बताया है। 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के पहले सीजन में शैरॉन वर्मा ने बतौर कंटेस्टेंट दर्शकों का दिल जीता, जिसके बाद 'इंडियाज गॉट लेटेंट' सीजन 2 के दो एपिसोड में वह बतौर पैनलिस्ट शामिल हुईं। एक एपिसोड में वह ओरी, अर्चना पूरन सिंह के साथ दिखीं तो वहीं एक अन्य एपिसोड में मेधा शंकर के साथ पैनल का हिस्सा बनीं। दोनों ही एपिसोड के दौरान उनकी समय रैना संग अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिली, जिसके बाद दोनों की डेटिंग के चर्चे होने लगे। हाल ही में जब इंस्टाग्राम पर एक Q&A सेशन के दौरान, कॉमेडियन से एक फैन ने पूछा, 'क्या आप शैरॉन को डेट कर रहे हैं?' इस सवाल का जवाब देते हुए समय ने इन अटकलों को खारिज कर दिया और लिखा, 'नहीं भाई, बस इंटरनेट अपना काम कर रहा है।' शैरॉन वर्मा की बात करें तो वह बिहार की रहने वाली हैं और एक स्टैंड-अप कॉमेडियन और इंटरनेट पर्सनैलिटी हैं। शैरॉन अपने आम जिंदगी से जुड़े जोक्स और ऑब्जर्वेशनल ह्यूमर के लिए जानी जाती हैं। 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के सीजन 1 में आने के बाद उन्हें पहचान मिली और उनके एक्ट को बेहद पसंद किया गया। इस एपिसोड के दौरान बिहार से होने के अपने अनुभवों पर आधारित उनके स्टैंड-अप परफॉर्मेंस को दर्शकों ने खूब पसंद किया। 'इंडियाज गॉट लेटेंट' से लोकप्रियता हासिल करने के बाद, उन्होंने अपने स्टैंड-अप कॉमेडी शो करने शुरू किए और अब वह विदेशों में भी परफॉर्म करती हैं। फिलहाल, इंस्टाग्राम पर उनके 2.2 मिलियन फॉलोअर्स हैं। इंडियाज गॉट लेटेंट सीजन 1 के दौरान शैरॉन ने खुद को 8 का स्कोर दिया, जबकि जजों का औसत स्कोर 9.5 था, जिसके चलते वह नहीं जीत पाईं। लेकिन, लोकप्रियता हासिल करने में सफल रहीं। सीज़न 2 में शैरॉन एक जज के तौर पर पैनल में शामिल हुईं। अपने सफर की एक झलक शेयर करते हुए, शैरॉन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'आखिरकार बिहारी सीट ले ही जाता है।' वहीं दो एपिसोड में नजर आने के बाद से ही उनके और समय रैना की डेटिंग के भी चर्चे शुरू हो गए। बिहार से जुड़े अनुभवों और रोजमर्रा की जिंदगी पर आधारित उनका हास्य उनकी पहचान का हिस्सा रहा है। वहीं शैरॉन वर्मा ने अपनी कॉमेडी और स्टैंड-अप के जरिए अलग पहचान बनाई है।

गैंगस्टर बनना चाहती हैं मालविका मोहनन, 'सरदार 2' से पहले किया खुलासा

साउथ इंडस्ट्री की पॉपुलर अभिनेत्री मालविका मोहनन बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सरदार 2' की रिलीज के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वे भविष्य में गैंगस्टर का रोल निभाना चाहेंगी। दरअसल, सोशल मीडिया पर सवाल जवाब के दौरान अभिनेत्री से एक फैन ने पूछा कि वो आगे किस तरह के रोल करना चाहती हैं, तो मालविका ने कहा, "मैं गैंगस्टर का रोल करना चाहती हूं।"

इसके साथ ही उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म 'सरदार 2' के को-स्टार कार्थी के बारे में भी बताया। एक और फैन ने पूछा कि खाने का शौकीन कौन है, तो एक्ट्रेस ने कहा, "हम दोनों को ही खाना और स्नैकिंग बहुत पसंद है। मुझे तो कभी भी, कहीं भी स्नैक खाना अच्छा लगता है और प्रमोशन के दौरान मुझे लगा कि कार्थी सर भी मेरे जैसे ही हैं।"

फिल्म 'सरदार 2' में अभिनेत्री मालविका मोहनन के साथ अभिनेता कार्थी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

पी.एस. मित्रन के निर्देशन में बनी फिल्म साल 2022 की हिट फिल्म 'सरदार' का सीक्वल है। साथ ही, यह फिल्म प्रीक्वल का भी काम करती है, जिसमें एजेंट सरदार (चंद्र बोस) के अतीत और उनके बेटे विजय प्रकाश की कहानी को आगे दिखाया जाएगा।

डायरेक्टर पी एस मिथरन ने 'सरदार' में पानी के व्यवसायीकरण के मुद्दे को उठाया था। ये फिल्म बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। अब इस स्पाई थ्रिलर के दूसरे पार्ट में डायरेक्टर ने सेहत और हाइजीन से जुड़े मुद्दों को दिखाने की कोशिश की है।

फिल्म में कार्थी एक बार फिर पिता (चंद्रबोस उर्फ सरदार) और पुत्र (इंस्पेक्टर विजय प्रकाश) की दोहरी भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी चंद्रबोस के अतीत के एक अधूरे मिशन और उससे जुड़े पुराने जख्मों से जुड़ी है, जो वर्तमान में एक नए और खतरनाक अंतरराष्ट्रीय खतरे के रूप में लौटती है।

इस सीक्वल में एसजे सूर्या एक खूंखार और शक्तिशाली 'ब्लैक डैगर' की भूमिका निभा रहे हैं, जो कार्थी के सामने एक बड़ी चुनौती बनते हैं। फिल्म में मालविका मोहनन, आशिका रंगनाथ और राजिशा विजयन महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा, फिल्म में योगी बाबू और अन्य जाने-माने कलाकार भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह फिल्म तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में 10 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। 'सरदार 2' को लेकर दर्शकों के बीच खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म के सीक्वल में पहले भाग की कहानी से आगे बढ़ते हुए नए मिशन, पुराने रहस्यों और अंतरराष्ट्रीय खतरे को केंद्र में रखा गया है। कार्थी के डबल रोल के साथ फिल्म में एक्शन और रोमांच का स्तर भी बढ़ने की उम्मीद है। फिल्म में एसजे सूर्या का किरदार कहानी में अहम मोड़ लाता है। 'ब्लैक डैगर' के रूप में उनका किरदार सरदार और विजय प्रकाश के सामने नई चुनौती पेश करता है। दोनों पक्षों के बीच टकराव फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मालविका मोहनन के किरदार को लेकर भी दर्शकों की उत्सुकता बनी हुई है। अभिनेत्री इससे पहले अलग-अलग तरह के किरदारों में नजर आ चुकी हैं और अब 'सरदार 2' के जरिए स्पाई थ्रिलर की दुनिया का हिस्सा बनी हैं। वहीं, भविष्य में गैंगस्टर का किरदार निभाने की उनकी इच्छा उनके प्रशंसकों के लिए दिलचस्पी का विषय बन गई है। फिल्म के निर्देशक पी.एस. मित्रन ने पहले भाग की तरह इस बार भी एक गंभीर सामाजिक विषय को कहानी से जोड़ने की कोशिश की है। सेहत और हाइजीन से जुड़े मुद्दों को स्पाई थ्रिलर और एक्शन के साथ पेश किया गया है। ऐसे में फिल्म में मनोरंजन के साथ सामाजिक विषय की झलक भी देखने को मिल सकती है। 'सरदार' की सफलता के बाद सीक्वल से उम्मीदें स्वाभाविक रूप से बढ़ गई हैं। कार्थी के दोहरे किरदार, एसजे सूर्या की निगेटिव भूमिका और मालविका मोहनन की मजबूत कलाकारों की मौजूदगी फिल्म की प्रमुख खासियतों में शामिल है। व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचने का मौका मिलेगा।

अक्षरा सिंह ने टाइगर श्रॉफ के साथ तस्वीरें शेयर कर बढ़ाई हलचल, बोलीं- 'कुछ तस्वीरें गैलरी में रखने के लिए नहीं होतीं'

भोजपुरी सिनेमा में अपनी खास पहचान बनाने के बाद अक्षरा सिंह अब हिंदी फिल्मों की तरफ भी कदम बढ़ा रही हैं और लगातार नए प्रोजेक्ट्स से जुड़ रही हैं। कुछ समय पहले उन्होंने आईएएनएस संग बातचीत में बताया था कि आने वाले समय में वह अभिनेता टाइगर श्रॉफ के साथ काम करने वाली हैं। अब अक्षरा ने टाइगर के साथ अपनी कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसके चलते इस प्रोजेक्ट को लेकर लोगों की दिलचस्पी बढ़ गई है। अक्षरा सिंह ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की, जिनमें वह और टाइगर श्रॉफ साथ खड़े होकर कैमरे के लिए पोज देते नजर आ रहे हैं। अक्षरा रेड कलर की शर्ट में काफी स्टाइलिश लग रही हैं, वहीं टाइगर ग्रे कलर की जैकेट पहने दिखाई दे रहे हैं। दोनों तस्वीरों में मुस्कुराते हुए कैमरे की तरफ पोज दे रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ अक्षरा ने पोस्ट में लिखा, ''आखिरकार अपनी इन तस्वीरों के लिए फीड में जगह बनानी ही पड़ी। कुछ तस्वीरें ऐसी होती हैं, जिन्हें ज्यादा समय तक गैलरी में छिपाकर रखना ठीक नहीं लगता। अच्छी वाइब्स, जबरदस्त एनर्जी और उससे भी बेहतर इंसान... धन्यवाद टाइगर श्रॉफ।'' अक्षरा सिंह के बॉलीवुड सफर की बात करें तो भोजपुरी सिनेमा में अपनी पहचान बनाने के बाद अक्षरा के लिए हिंदी फिल्म जगत में कदम रखना करियर का नया मोड़ है।

हेमा मालिनी ने 'हनुमान अंश' को बताया हनुमानजी का आशीर्वाद, बोलीं- 'आम लड़की ने बनाई ऐसी फिल्म'

भाजपा सांसद और अभिनेत्री हेमा मालिनी ने फिल्म 'हनुमान अंश' की जबरदस्त सफलता पर खुशी जताई। मथुरा में नीम करौली बाबा और हनुमान जी से जुड़ी आस्था का जिक्र करते हुए हेमा ने कहा कि उन्हें इस बात की बहुत खुशी है कि बाबा पर बनी फिल्म सुपरहिट हो गई है। उन्होंने फिल्म की सफलता को हनुमान जी का आशीर्वाद बताया और कहा कि वह खुद भी इस फिल्म को देखने के लिए उत्सुक हैं। हेमा मालिनी ने कहा, ''मथुरा में हनुमान जी और नीम करोली बाबा का मंदिर है। मैं हमेशा यहां आती हूं और आज मैं बहुत खुश हूं कि उन पर एक फिल्म बनी है और वह सुपरहिट हो गई है। यह हनुमान जी का आशीर्वाद है। जिस लड़की ने यह फिल्म बनाई है, वह एक आम और सीधी-सादी लड़की है। उसे फिल्मी दुनिया की ज्यादा जानकारी भी नहीं थी लेकिन इसके बावजूद उसके योगदान से ऐसी फिल्म बनी, जिसे दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है।'' हेमा मालिनी ने कहा, ''अब हर कोई इस फिल्म को देखने के लिए व्याकुल है और मैं भी जल्द ही 'हनुमान अंश' देखना चाहती हूं।'' छोटे बजट में बनी फिल्म 'हनुमान अंश' ने बॉक्स ऑफिस पर सभी को चौंका दिया है। फिल्म नीम करौली बाबा के जीवन और उनकी आध्यात्मिक सोच से प्रेरित है। हाल के दिनों में फिल्म की टीम ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री को फिल्म के कुछ खास हिस्से दिखाए गए, जिनमें नीम करौली बाबा की आध्यात्मिक यात्रा और नाथ संप्रदाय से जुड़े प्रसंग शामिल थे। फिल्म को लेकर सिर्फ फिल्मी दुनिया ही नहीं बल्कि राजनीतिक और धार्मिक जगत से भी लगातार प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी फिल्म देख चुके हैं और राज्य में इसे टैक्स फ्री करने की घोषणा की गई है। धामी ने कहा कि फिल्म के जरिए उन्हें नीम करौली बाबा के जीवन और उनकी आध्यात्मिक यात्रा को समझने का मौका मिला। हालांकि, फिल्म की सफलता के साथ इस पर राजनीतिक बयानबाजी भी शुरू हुई। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने फिल्म के जरिए धर्म की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि धार्मिक भावनाओं को प्रभावित करने के लिए इस तरह की फिल्मों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

सार समाचार

‘पुतिन डील करना चाहते हैं, लेकिन वो और जेलेंस्की एक-दूसरे से नफरत करते हैं’, डोनाल्ड ट्रंप का दावा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को रूस-यूक्रेन जंग से लेकर ईरान से जारी झड़पों भी अहम बयान जारी किए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात की थी। इस बातचीत के बारे में ट्रंप ने कहा कि पुतिन जंग रोकने के लिए डील करना चाहते हैं लेकिन वे और जेलेंस्की एक-दूसरे से नफरत करते हैं। आइए जानते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप ने और क्या कुछ कहा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हुई बातचीत को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा- “हमारे बीच काफी अच्छी बातचीत हुई है। पुतिन एक डील करना चाहते हैं। अगर जेलेंस्की भी डील करना चाहें, तो ये काफी अच्छी बात होगी। लेकिन दिक्कत ये है कि ये दोनों लोग एक-दूसरे से नफरत करते हैं।” आपको बता दें कि हाल ही में ट्रंप के दूत जेरेड कुशनर और स्टीव विटकोफ ने बीते शनिवार और रविवार को मॉस्को और कीव का दौरा किया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस बात पर बयान दिया है कि ईरान के साथ अमेरिका का युद्ध कब खत्म होगा। ट्रंप ने कहा- “मुझे ऐसा लगता है कि चुनाव (अमेरिका में मध्यावधि चुनाव) के बाद ये जंग तुरंत खत्म हो जाएगी। वे पूरी कोशिश कर रहे हैं कि चुनाव प्रभावित हो जाए। इसलिए ताकि अमेरिका में एक अच्छा, कमजोर लोगों का ग्रुप आ जाए और उन्हें (ईरान) को अकेला छोड़ दिया जाए और उन्हें अपने परमाणु हथियार रखने दिए जाएं।” ईरान के साथ वार्ता के मुद्दे पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि “मैं परमाणु डील से कहीं ज्यादा बड़ा कुछ कर रहा हूं। परमाणु के मुद्दे के अलावा भी बहुत कुछ है। परमाणु डील तो होगी ही। इसकी संभावना 99.9 प्रतिशत है, लेकिन बातचीत की टेबल पर ऐसी कई और चीजें भी होंगी जो 3 महीने पहले नहीं थीं।” अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी टैंकरों पर हुए हमलों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि “अमेरिकी सेना ने ईरान के 9 जहाजों को तबाह कर दिया है। हमने उनके 9 टैंकरों को तबाह कर दिया है।

नेपाल में सैलाब से कितना नुकसान? तबाही का भयावह आंकड़ा आया सामने, शुरुआती रिपोर्ट संसदीय समिति में पेश

काठमांडू। 26 अगस्त को तिब्बत के रास्ते नेपाल में आए सैलाब में कितना नुकसान हुआ है, इसका एक शुरुआती आकलन सामने आया है। इस तबाही ने नेपाल की जड़ें हिलाकर रख दी है। जहां एक ओर अभी भी शवों का मिलना जारी है वहीं सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर को हुए नुकसान का एक प्रारंभिक आंकड़ा संसदीय समिति में पेश किया। बताया गया कि चीन नाका से व्यापार पूरी तरह से ठप हो गया है जिससे राजस्व पर बड़ा असर पड़ा है। वहीं इस रिपोर्ट में सड़क, पुल, स्कूल, हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से लेकर अन्य नुकसान की डिटेल्स भी दी गई है। नेपाल वित्त मंत्रालय की ओर से इस रिपोर्ट में बताया गया कि रसुवा में आई विनाशकारी बाढ़ और कृष्णभीर में सड़क धंसने से उत्तरी बॉर्डर से होने वाली सप्लाई बाधित हुई है। वित्त सचिव डॉ. घनश्याम उपाध्याय ने बताया कि रसुवागढ़ी सीमा नाके पर बाढ़ के कारण चीन से होने वाली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई थी। इसके चलते सीमा शुल्क के राजस्व पर बड़ा असर पड़ा है। प्रतिनिधि सभा की वित्त समिति की बैठक में उपाध्याय ने कहा कि रसुवागढ़ी के विकल्प के तौर पर आयात को सुचारु करने के लिए सरकार ने कोराला सीमा नाके पर अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की थी। लेकिन कृष्णभीर में सड़क धंसने के बाद स्थिति और गंभीर हो गई तथा सप्लाई रूट भी बाधित हो गया। उपाध्याय ने बताया कि बाढ़ में बेत्रावती-रसुवागढ़ी सड़क का 55 किलोमीटर हिस्सा पूरी तरह नष्ट हो गया है। वहीं गल्छी–देवीघाट सड़क के चार किलोमीटर हिस्से की पक्की सड़क को आंशिक नुकसान पहुंचा है। इसी तरह 10 किलोमीटर लंबी देवीघाट–त्रिशूली–बेत्रावती सड़क को भी आंशिक क्षति पहुंची है। इस भीषण आपदा का पुलों पर भी भारी असर पड़ा है। उपाध्याय ने बताया कि चार जिलों में 33 पुल पूरी तरह से नष्ट हो गए, जबकि चार अन्य पुलों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा 68 सस्पेंशन ब्रिज भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि क्षतिग्रस्त मोटर चलने योग्य पुलों की कुल लंबाई करीब 3,000 मीटर है। परिवहन के अलावा अन्य क्षेत्रों पर भी आपदा का व्यापक असर पड़ा है। वित्त सचिव के अनुसार, वित्तीय क्षेत्र में 12 बैंकों की 17 शाखाएं पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुई हैं। आपदा से करीब 4,800 व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी पूरी तरह नष्ट हुए हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षा क्षेत्र को भी बड़ा नुकसान हुआ है।

“जिहाद नहीं छोड़ेंगे”, लश्कर आतंकी हाफ़िज़ सईद के बेटे ने भारत के खिलाफ फिर उगला जहर

लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी और 26/11 हमले के मास्टरमाइंड हाफ़िज़ सईद के बेटे तलहा सईद ने फिर से भारत के खिलाफ जहर उगला है और साथ ही उसने पाकिस्तान आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की खुलकर तारीफ़ भी की है। उसने दावा किया कि आसिम मुनीर ने “अल्लाह की राह में ईमान, परहेज़गारी और जिहाद” के विचारों को “एक बार फिर से ज़िंदा” किया है। अपने भाषण में, तलहा सईद ने मुनीर की तारीफ़ करते हुए कहा कि वे क़ुरान के हाफ़िज़ हैं और उन्हें इस बात की खुशी है कि पाकिस्तान को ऐसे आर्मी चीफ़ और फ़ील्ड मार्शल मिले हैं जिन्होंने पवित्र किताब को ज़बानी याद किया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि मुनीर ने “ईमान, तक़वा और जिहाद” यानी आस्था, धर्मपरायणता और जिहाद के विचारों को फिर से जीवित किया है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादी और LeT के संस्थापक हाफ़िज़ मुहम्मद सईद के बेटे हाफ़िज़ तलहा सईद ने पाकिस्तान के शेखूपुरा में एक जनसभा के दौरान ये बातें कहीं। इस सभा का एक वीडियो भी सामने आया है। पाकिस्तान में प्रतिबंधित आतंकी संगठनों और उनके नेताओं को मिली जगह को लेकर लंबे समय से लगे आरोपों के मद्देनजर तलहा सईद की ये टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं। तलहा सईद ने भारत के ख़िलाफ़ ज़हर उगलते हुए कहा कि उसने और दूसरों ने “जिहाद” छेड़ने की कसम खाई है और जब तक वे ज़िंदा और ऐसा करने में सक्षम रहेंगे, तब तक यह अभियान जारी रखेंगे। उसने कहा, “हम वही लोग हैं जिन्होंने जिहाद का संकल्प लिया है,” और दावा किया कि वे और कुर्बानियां देने के लिए तैयार हैं।

‘सोशल मीडिया एल्गोरिदम प्लान’ से नाराज व्हाइट हाउस ने ऑस्ट्रेलिया को दी चेतावनी

वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार ऑस्ट्रेलिया के ‘सोशल मीडिया एल्गोरिदम प्लान’ से नाराज है। ट्रंप प्रशासन ने ऐतराज जताते हुए बयान जारी किया जिसमें स्पष्ट किया गया कि व्हाइट हाउस अमेरिका के प्रमुख टेक्नोलॉजी सेक्टर पर जबरन वसूली संबंधी मसौदे के खिलाफ है। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने मंगलवार को अपने प्रस्तावित विधेयक का मसौदा जारी किया। इसके तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को बच्चों को खाने से जुड़े विकारों, स्त्री-विरोधी सामग्री, अपराध के महिमामंडन, दुर्व्यवहार और साइबरबुलिंग जैसी हानिकारक सामग्री से बचाने के लिए कदम उठाने होंगे। वयस्कों और बच्चों दोनों को अवैध सामग्री से भी सुरक्षा प्रदान करनी होगी। मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया की घोषणा के 24 घंटे से भी कम समय में व्हाइट हाउस ने एक बयान जारी किया।

‘ब्रिक्स शिखर सम्मेलन’ के लिए भारत आएंगे यूएन प्रमुख, प्रवक्ता दुजारिक ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की जताई उम्मीद

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस इस सप्ताह ‘ब्रिक्स शिखर सम्मेलन’ में भाग लेने के लिए भारत आने वाले हैं। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक के अनुसार, इस दौरान उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात होने की उम्मीद है। मंगलवार (स्थानीय समय) को मीडिया ब्रीफिंग के दौरान दुजारिक ने कहा कि हालांकि इस यात्रा की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है, लेकिन वह यह पुष्टि कर सकते हैं कि ‘महासचिव ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे।’

उन्होंने कहा, “मुझे लगता है कि आप उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की उम्मीद कर सकते हैं।” यह इस साल गुटेरेस की भारत की दूसरी यात्रा होगी और संयुक्त राष्ट्र महासचिव के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान भारत का पांचवां दौरा होगा। इससे पहले वह फरवरी में नई दिल्ली में आयोजित इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट में शामिल हुए थे। गुटेरेस के लिए, जिनका कार्यकाल अब अपने आखिरी चार महीनों में है, यह संभवतः उन अंतिम मौकों में से एक हो सकता है जब वे महासचिव के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से औपचारिक या अनौपचारिक रूप से मुलाकात कर सकेंगे। इसकी वजह यह है कि पुतिन और शी इस महीने के अंत में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक उच्चस्तरीय बैठक में शामिल नहीं होंगे, लेकिन ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में मौजूद रहेंगे।

ईरान ने होर्मुज में पकड़ ली अमेरिका की ‘पनडुब्बी’? रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के दावे पर पेंटागन ने दिया जवाब

तेहरान। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने दावा किया है कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रवेश द्वार के पास एक अमेरिकी मानवरहित अंडरवॉटर ड्रोन को पकड़ लिया है। ईरान ने इसे अमेरिकी सेना की आधुनिक और बेहद तकनीकी मशीन बताया है। इसी बीच, ईरान ने बुधवार को जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर मिसाइल हमले का भी दावा किया। यह कार्रवाई अमेरिका की ओर से ईरानी तेल टैंकरों पर किए गए हमलों के बाद हुई है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी IRNA के मुताबिक, रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने जॉर्डन के अल-अजराक स्थित अमेरिकी एयर बेस को भारी मिसाइलों से निशाना बनाया। ईरान ने इस कार्रवाई को ‘दंडात्मक अभियान’ बताया। हालांकि, जॉर्डन की सेना ने कहा कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने हमले को नाकाम कर दिया। जॉर्डन के आधिकारिक बयान के मुताबिक, डिफेंस सिस्टम ने 20 बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाया। इनमें से 18 मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया गया, जबकि 2 मिसाइलें आबादी से दूर खाली इलाके में गिरीं। ईरान का यह हमला अमेरिका की ओर से मंगलवार, 8 सितंबर को की गई सैन्य कार्रवाई के बाद हुआ। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के अनुसार, अमेरिकी सेना ने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से जुड़े पांच ईरानी टैंकरों को निशाना बनाया। अमेरिका के मुताबिक, इनमें से 4 कच्चे तेल ले जाने वाले टैंकर ओमान की खाड़ी में थे, जबकि पांचवें जहाज को फारस की खाड़ी में खार्ग द्वीप के पास निशाना बनाया गया। कोलंबिया की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है।

यूक्रेन पर रूसी हमले जारी, रिहायशी इमारत पर ड्रोन से किया हमला

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि बुधवार सुबह कीव में एक रूसी ड्रोन ने रिहायशी इमारत को निशाना बनाया, जिसमें 4 लोग घायल हुए। वहीं ओडेसा में मोल्दोवा सीमा पर स्थित अंतरराष्ट्रीय चौकी पर रातभर हुए हमले में दो लोगों की मौत और तीन घायल हुए हैं। जेलेंस्की ने कहा कि रूस रोजाना हमले कर रहा है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्रतिक्रिया बेहद कम है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पोस्ट पर हमले की जानकारी साझा की। जेलेंस्की ने पोस्ट में लिखा, ‘’आज सुबह कीव में एक रूसी ड्रोन ने एक रिहायशी बहुमंजिला इमारत को निशाना बनाया। इस हमले में चार लोग घायल हो गए। हमेशा की तरह, हमारे बचावकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और अब आग पर काबू पा लिया गया है।’’ उन्होंने बताया कि रातभर ओडेसा ओब्लास्ट में मोल्दोवा की सीमा पर स्थित अंतरराष्ट्रीय सीमा चौकी ‘स्टारोकोजाचे’ पर हमला किया गया। वहां का संचालन फिलहाल रोक दिया गया है।

दुर्भाग्य से इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। बचावकर्मियों ने 16 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। मैं उन लोगों के परिवारों और प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपनी जान गंवाई है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि रूस के हमलों के बाद निप्रो, मायकोलाइव, जापोरिज्जिया, खार्किव ओब्लास्ट, जाइटॉमिर ओब्लास्ट और कीव ओब्लास्ट में भी नुकसान की स्थिति से निपटने का काम जारी है। जेलेंस्की ने कहा कि दुर्भाग्य से, इन हमलों पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्रतिक्रिया बहुत कम रही है, जबकि ये हमले लगभग हर दिन लोगों की जान ले रहे हैं।

इसका जवाब दिया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस आक्रामकता को यहीं और अभी रोकना होगा, ताकि यह और आगे न फैले। मॉस्को को यह नहीं सोचना चाहिए कि मिसाइल और ड्रोन हमलों के जरिए आतंक फैलाने पर उसे कोई सजा या परिणाम नहीं भुगतने पड़ेंगे।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान के दावों को किया खारिज

वाशिंगटन। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने ईरान के दो अमेरिकी जहाजों पर हमले के दावे को सिरे से खारिज किया है। बुधवार को एक बयान जारी कर ‘सच’ बताया है। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फैक्ट बताया। उनके मुताबिक ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) फोर्स ने दावा किया कि उन्होंने मिडिल ईस्ट में तैनात अमेरिकी नौसेना के दो डिस्ट्रॉयर पर हमला किया। यह पूरी तरह से गलत है। सच्चाई से रूबरू कराते हुए आगे कहा, “अमेरिकी नौसेना के किसी भी युद्धपोत पर हमला नहीं हुआ है; आईआरजीसी के सभी हमले नाकाम रहे। वहीं, अमेरिकी सेना ने पिछले एक हफ्ते में ईरान के 10 टैंकरों को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया है। ये जहाज एक ऐसे अरबों डॉलर के ‘शैडो नेटवर्क’ का हिस्सा थे जो आईआरजीसी को फंड देता है, और ईरान इनकी रक्षा नहीं कर सकता।” अमेरिका की ओर से किए गए हमले के जवाब में बुधवार सुबह ईरान ने खाड़ी में अमेरिका के दो युद्धपोतों और आठ तेल टैंकरों पर हमले का दावा किया था। साथ ही ये भी कहा कि होर्मुज स्ट्रेट के प्रतिबंधित और असुरक्षित इलाके से गुजरने की कोशिश कर रहे दस जहाजों को भी निशाना बनाया। आईआरजीसी के मुताबिक यह हमले उस जवाबी कार्रवाई के तहत किए गए, जिसमें ईरान के पांच टैंकरों को निशाना बनाकर नष्ट किया गया। आईआरजीसी नौसेना ने एक बयान में कहा कि उसने फारस की खाड़ी में मौजूद दो अमेरिकी जहाजों और आठ टैंकरों पर हमला किया।

अफगानिस्तान में महसूस किए गए भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर कितनी मापी गई तीव्रता?

अफगानिस्तान में बुधवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (NCS) के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.2 मापी गई। NCS के मुताबिक, भूकंप आज सुबह 10 बजकर 01 मिनट पर आया। फिलहाल भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना सामने नहीं आई है। वहीं, मंगलवार को तिब्बत में 5.3 तीव्रता का भूकंप आया। यह भूकंप नेपाल-तिब्बत सीमावर्ती इलाके में विनाशकारी बाढ़ से भारी तबाही के कुछ दिनों बाद आया। EMSC ने बताया कि भूकंप 35 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज किया गया। नेपाल के कुछ हिस्सों में भी झटके महसूस किए गए। इससे पहले, नेपाल के पश्चिमोत्तर हिस्से में स्थित मुस्तांग जिले में मंगलवार को 5.3 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र मुस्तांग जिले के लोमान्थांग में था, जो काठमांडू से 375 किलोमीटर पश्चिमोत्तर में स्थित है। भूकंप रात 9 बजकर 53 मिनट पर आया। भूकंप से तत्काल किसी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। इसके झटके पड़ोसी मनांग, डोल्पा और म्याग्दी जिलों में भी महसूस किए गए। वहीं, अरुणाचल प्रदेश के बिछोम क्षेत्र में मंगलवार सुबह हल्के भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 2.9 मापी गई। भूकंप सुबह 5 बजकर 44 मिनट 15 सेकंड पर आया। इसकी गहराई जमीन के भीतर करीब 10 किलोमीटर थी। भौगोलिक स्थिति के अनुसार, इसका केंद्र तवांग के आस-पास के क्षेत्र में बताया गया।

बांग्लादेश में खसरे का कहर जारी, तीन और बच्चों की मौत; मृतकों का आंकड़ा 1,000 के पार

ढाका। बांग्लादेश में खसरे (मीजल्स) का प्रकोप लगातार गंभीर होता जा रहा है। बुधवार को बीमारी के लक्षणों से तीन और बच्चों की मौत हो गई, जिसके बाद इस साल मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 1,002 पहुंच गई। यह जानकारी स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में दी गई है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अनुसार, बुधवार सुबह तक पिछले 24 घंटों में ये तीनों मौतें दर्ज की गईं। फिलहाल इन्हें संदिग्ध खसरा मौत के रूप में दर्ज किया गया है। डीजीएचएस के आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 100 मौतों की पुष्टि खसरे से हुई है, जबकि 902 मौतें संदिग्ध श्रेणी में हैं। पिछले 24 घंटों में 1,119 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिससे संदिग्ध मामलों की कुल संख्या बढ़कर 1,67,580 हो गई। वहीं 69 नए पुष्ट मामले मिलने के बाद कुल पुष्ट संक्रमितों की संख्या 19,904 पहुंच गई है। जनस्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि टीकाकरण की अपर्याप्त कवरेज और प्रभावी रोकथाम उपायों की कमी के कारण यह स्थिति पैदा हुई है। खासकर छह महीने से कम उम्र के शिशु, जिन्हें अभी खसरे का टीका नहीं लगाया जाता, सबसे अधिक जोखिम में हैं। सरकार अतिरिक्त वैक्सीन की खरीद कर रही है और जल्द ही बिना टीका लगवाए बच्चों तक पहुंचने के लिए विशेष अभियान शुरू किया जा सकता है। मीजल्स और रुबेला उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय सत्यापन समिति के अध्यक्ष प्रो. महमूदुर रहमान ने कहा कि सरकार को निगरानी और टीकाकरण के आंकड़ों की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समिति गठित करनी चाहिए, ताकि उन क्षेत्रों और आयु वर्गों की पहचान की जा सके जहां टीकाकरण कवरेज कम है।

खेल समाचार

चीन के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ के बाद भारत एलीट पूल में टॉप पर; क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ंत

जूनियर विमेंस एशिया कप 2026 के अपने आखिरी एलीट पूल मैच में भारत ने चीन के साथ गोलरहित ड्रॉ खेला। इस नतीजे के साथ भारत ने पूल स्टेज में बिना कोई मैच गंवाए 10 अंक (तीन जीत और एक ड्रॉ) हासिल किए और बेहतर गोल अंतर के कारण एलीट पूल में पहला स्थान सुनिश्चित किया।

भारत अब अपना ध्यान नॉकआउट स्टेज पर लगाएगा, जहां 10 सितंबर को 'क्वार्टर-फाइनल 1' में उसका मुकाबला पाकिस्तान से होगा। पाकिस्तान चार मुकाबलों में सात प्वाइंट के साथ चैलेंजर पूल में तीसरे स्थान पर रहा। बुधवार को मोकी में खेले गए इस मुकाबले में चीन ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में करते हुए लगातार भारत के हाफ में हमले किए और भारतीय डिफेंस पर दबाव बनाया। मेजबान टीम को शुरुआती दौर में ही पेनाल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारत ने शानदार बचाव करते हुए उन्हें बढ़त बनाने का मौका नहीं दिया। पहले क्वार्टर में सात मिनट से भी कम समय शेष था, इस बीच चीन को पेनाल्टी स्ट्रोक मिला। हालांकि, भारतीय गोलकीपर निधि ने शानदार बचाव करते हुए स्कोर बराबर रखा। भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत आक्रामक इरादे के साथ करते हुए चीनी डिफेंस पर और ज्यादा दबाव बनाने की कोशिश की।

BCCI से सुप्रीम कोर्ट का बड़ा सवाल, पूछा- नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट बोर्ड पर क्यों लागू नहीं होना चाहिए?

भारतीय क्रिकेट के प्रशासन से जुड़ा मामला एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। अदालत ने BCCI और राज्य क्रिकेट संघों के सामने अब एक अहम सवाल रखा है कि जब नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट 2025 लागू हो चुका है, तो फिर क्रिकेट की इन संस्थाओं को इसके दायरे से बाहर क्यों रखा जाए? सुप्रीम कोर्ट ने BCCI और राज्य संघों के वकीलों से इस मुद्दे पर स्पष्ट निर्देश लेने को कहा है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने 9 सितंबर को BCCI से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान यह सवाल उठाया। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल हैं। कुछ क्रिकेट इकाइयों की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए अदालत ने खास तौर पर BCCI और राज्य संघों के पदाधिकारियों की सेवा शर्तों को लेकर सवाल किया। PTI के मुताबिक, अदालत ने BCCI और राज्य क्रिकेट संघों के वकीलों से पूछा कि उनके पदाधिकारियों की सेवा की शर्तें 2025 में लागू हुए नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट के तहत क्यों नहीं आनी चाहिए। पीठ ने वकीलों को इस संबंध में अपने पक्ष और निर्देश लेने को कहा है। दरअसल, BCCI से जुड़ा यह मामला नया नहीं है। इससे संबंधित एक याचिका साल 2014 में सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई थी। सितंबर 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने BCCI के संविधान में संशोधन को भी मंजूरी दी थी।

एशियन गेम्स से पहले अपनी तैयारी को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहे हैं सात्विक-चिराग

नई दिल्ली। चीन मास्टर्स जीतने के बाद, भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी एशियन गेम्स से पहले मिले 10 दिनों के समय का पूरा फायदा उठाने पर ध्यान दे रहे हैं। मौजूदा चैंपियन होने के नाते इस बड़े टूर्नामेंट में उतरने के बावजूद, इस जोड़ी का कहना है कि उन पर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं है। वर्ल्ड नंबर 5 भारतीय जोड़ी ने रविवार को चीन मास्टर्स के फाइनल में चीन के हे और रेन को 70 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 11-21, 21-13, 21-17 से हराया। यह जीत सात्विक और चिराग के लिए इसलिए भी खास थी, क्योंकि वे 2023 और 2025 में चीन मास्टर्स में दूसरे स्थान पर रहे थे और 2024 में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। वे 2005 में शुरू हुए इस इवेंट को जीतने वाली पहली भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी बन गए। चाइना मास्टर्स में यह जीत उनके करियर का 10वां बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल था और 2026 का तीसरा वर्ल्ड टूर फाइनल था। वे मई में थाईलैंड ओपन में रनर-अप रहे थे और उसी महीने के आखिर में सिंगापुर ओपन का टाइटल जीता था। चाइना मास्टर्स में उनके सफर ने उन्हें उन कुछ कमियों को दूर करने में भी मदद की जो पिछले महीने नई दिल्ली में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल से बाहर होने के दौरान सामने आई थीं। अपनी जीत पर बात करते हुए, इस जोड़ी ने कहा कि इस खिताब ने उन्हें एशियाई खेलों से पहले सही समय पर आत्मविश्वास दिया है। चिराग ने कहा, "वर्ल्ड चैंपियनशिप के बाद हम काफी बेहतर हुए हैं। हमें समय मिला और हमने खुद को उसके हिसाब से ढाला। वर्ल्ड चैंपियनशिप में हमारे लिए मुश्किल थी, क्योंकि हमारे पास ज्यादा समय नहीं था। एक मैच, और फिर हमने तुरंत क्वार्टरफाइनल खेला।"

टीम इंडिया के लिए अच्छी खबर नहीं, IND vs AFG सीरीज से बाहर हो सकते हैं हर्षित राणा

अफगानिस्तान के खिलाफ T20I सीरीज शुरू होने से पहले टीम इंडिया को झटका लग सकता है। इंग्लैंड दौरे के बाद से हैमस्ट्रिंग चोट से जूझ रहे हर्षित राणा के 13 सितंबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की सीरीज तक पूरी तरह फिट होने की संभावना कम है। उन्हें फिटनेस के आधार पर टीम में जगह दी गई थी। अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की T20I सीरीज से पहले भारतीय टीम की चिंता बढ़ सकती है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा का सीरीज के लिए समय पर फिट होना मुश्किल नजर आ रहा है। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की T20I सीरीज 13 सितंबर से शुरू होनी है और तीनों मुकाबले दिल्ली में खेले जाएंगे। हर्षित राणा को अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है, लेकिन उनका चयन फिटनेस पर निर्भर है। वह आखिरी बार इंग्लैंड दौरे पर भारत के लिए खेले थे। इसके बाद से वह हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझ रहे हैं। BCCI के एक सूत्र ने PTI को बताया कि हर्षित राणा अभी अपनी चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं और उन्हें वापसी के लिए कुछ और समय की जरूरत होगी। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ तीनों मुकाबलों में उनका खेलना संदिग्ध है। राणा के अलावा वॉशिंगटन सुंदर भी हैमस्ट्रिंग की चोट से परेशान थे। हालांकि, उन्हें अफगानिस्तान सीरीज के लिए फिट घोषित कर दिया गया है और वह चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑलराउंडर नितीश रेड्डी को भी फिटनेस के आधार पर टीम में चुना गया है। बुमराह बाएं घुटने की चोट के कारण जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ ODI सीरीज के बाद से मैदान से बाहर हैं। वहीं, नितीश रेड्डी क्वाड्रिसेप्स की चोट से उबर रहे हैं। BCCI सूत्र के मुताबिक, बुमराह और नितीश दोनों की वापसी सही दिशा में आगे बढ़ रही है। अफगानिस्तान के खिलाफ T20I सीरीज के बाद भारतीय टीम 22 सितंबर को टोक्यो में जापान के खिलाफ एकमात्र मुकाबला खेलेगी। इसके बाद टीम 28 सितंबर से अपने एशियन गेम्स अभियान की शुरुआत करेगी। ऐसे में चोट से वापसी कर रहे खिलाड़ियों के लिए अगले कुछ सप्ताह काफी अहम होंगे। टीम मैनेजमेंट किसी भी खिलाड़ी को जल्दबाजी में मैदान पर उतारने के बजाय उसकी पूरी फिटनेस सुनिश्चित करना चाहेगा। संजू सैमसन, ईशान किशन, तिलक वर्मा (उपकप्तान), शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा। हर्षित राणा की अनुपलब्धता की स्थिति में भारतीय टीम को तेज गेंदबाजी विभाग में अपने विकल्पों पर निर्भर रहना होगा। अर्शदीप सिंह टीम के प्रमुख तेज गेंदबाजों में शामिल हैं, जबकि जसप्रीत बुमराह की फिटनेस भी टीम के लिए अहम बनी हुई है। ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने गेंदबाजी संयोजन को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतने की चुनौती होगी। राणा के लिए सबसे महत्वपूर्ण यह होगा कि वह चोट से पूरी तरह उबरने के बाद ही प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करें। हैमस्ट्रिंग जैसी चोट में जल्द वापसी करने से दोबारा परेशानी का जोखिम बढ़ सकता है। इसलिए उनकी फिटनेस का आकलन मेडिकल टीम की निगरानी और जरूरी फिटनेस टेस्ट के आधार पर किया जाएगा।

वेस्टइंडीज को मिला बॉब कार्टर का साथ, एक साल के लिए नियुक्त किया बैटिंग कंसल्टेंट

वेस्टइंडीज क्रिकेट अपनी बल्लेबाजी को नई धार देने की तैयारी में है। इसी कड़ी में क्रिकेट वेस्टइंडीज (CWI) ने न्यूजीलैंड की महिला टीम की पूर्व मुख्य कोच बॉब कार्टर को एक साल के लिए बैटिंग कंसल्टेंट नियुक्त किया है। करीब तीन दशक के कोचिंग अनुभव वाले कार्टर अब कैरेबियाई क्रिकेट में पुरुष, महिला और एज-ग्रुप स्तर के खिलाड़ियों के साथ काम करेंगे। वेस्टइंडीज क्रिकेट ने यह जानकारी दी। वेस्टइंडीज क्रिकेट ने बयान जारी कर कहा कि 66 साल कार्टर ने 1 सितंबर से अपनी नई जिम्मेदारी संभाल ली है। उनका मुख्य लक्ष्य वेस्टइंडीज में बल्लेबाजी के स्तर को ऊपर उठाने के साथ-साथ स्थानीय कोचिंग सिस्टम को भी मजबूत करना होगा। उनकी पहली बड़ी जिम्मेदारी इसी महीने शुरू होने वाले क्षेत्रीय दौरे की होगी, जहां वह कैरेबियन के सभी 6 फर्स्ट-क्लास क्षेत्रों बारबाडोस, गुयाना, जमैका, त्रिनिदाद एवं टोबैगो, लीवर्ड आइलैंड्स और विंडवर्ड आइलैंड्स का दौरा करेंगे। इस दौरान वह खिलाड़ियों और कोचों के साथ सीधे काम करेंगे। CWI के मुताबिक कार्टर की जिम्मेदारी सिर्फ खिलाड़ियों की तकनीक सुधारने तक सीमित नहीं होगी। वह उभरते और शीर्ष स्तर के बल्लेबाजों को तकनीकी मदद देने के साथ-साथ क्षेत्रीय और हाई-परफॉर्मेंस कोचों को व्यक्तिगत बल्लेबाजी कार्यक्रम तैयार करने और उन्हें प्रभावी तरीके से लागू करने में भी मदद करेंगे। कार्टर ने कहा कि वेस्टइंडीज की क्रिकेट में शानदार बल्लेबाज तैयार करने की पुरानी परंपरा रही है और उनका उद्देश्य आने वाली पीढ़ी के लिए मजबूत आधार तैयार करना है। उन्होंने कहा कि वह खिलाड़ियों और कोचों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुंचने में मदद करने पर ध्यान देंगे। कार्टर का अनुभव वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकता है। इंग्लैंड में जन्मे कार्टर ने 2004 में न्यूजीलैंड की पुरुष टीम के साथ बतौर असिस्टेंट कोच काम शुरू किया था। इसके बाद वह माइक हेसन के सहयोगी भी रहे। 2019 में उन्हें न्यूजीलैंड महिला टीम का मुख्य कोच बनाया गया और उन्होंने 2022 महिला T20 वर्ल्ड कप तक यह जिम्मेदारी संभाली।

एशियन गेम्स 2026 से पहले डोपिंग का साया, भारत के युवा तैराक पर लगा 18 महीने का बैन

एशियन गेम्स में देश के लिए उतरने का सपना देख रहे 17 साल के भारतीय तैराक को बड़ा झटका लगा है। डोप टेस्ट में प्रतिबंधित पदार्थ पाए जाने के बाद उस पर 18 महीने का प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके साथ ही वह इसी महीने जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स में हिस्सा नहीं ले पाएगा। इस युवा तैराक ने एशियन गेम्स के लिए दो स्पर्धाओं में क्वालिफाई किया था और महाद्वीपीय खेलों के लिए तैयार की गई संभावित खिलाड़ियों की सूची में भी उसका नाम शामिल था। हालांकि, फरवरी में लिए गए उसके सैंपल में प्रतिबंधित पदार्थ टरब्यूटालिन की मौजूदगी सामने आई। यह बीटा-2 एगोनिस्ट है, जिसे एंटी-डोपिंग नियमों के तहत प्रतिबंधित किया गया है। सैंपल में प्रतिबंधित पदार्थ मिलने के बाद तैराक का नाम एशियन गेम्स के प्रतिभागियों की सूची से हटा दिया गया था। इसके बाद पिछले सप्ताह मामले की सुनवाई हुई और बुधवार सुबह उसे 18 महीने के निलंबन की सजा सुनाई गई। स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (SFI) से जुड़े एक सूत्र ने PTI को बताया कि तैराक को इस साल की शुरुआत में ही डोपिंग उल्लंघन की जानकारी दे दी गई थी, लेकिन मामले की सुनवाई पिछले सप्ताह ही हो सकी।

इसके बाद बुधवार सुबह प्रतिबंध की घोषणा की गई। SFI ने सुनवाई की प्रक्रिया जल्द पूरी कराने की कोशिश की थी, ताकि अगर नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी यानी NADA की ओर से उसे क्लीन चिट मिलती है, तो वह एशियन गेम्स में हिस्सा ले सके। लेकिन अब 18 महीने के बैन के कारण उसकी एशियन गेम्स में भागीदारी का रास्ता पूरी तरह बंद हो गया है। दिलचस्प बात यह है कि इस तैराक का जुड़वां भाई भारतीय एशियन गेम्स टीम का हिस्सा है। गौरतलब है कि आइची-नागोया एशियन गेम्स 2026 की शुरुआत 19 सितंबर से जापान में होनी है। भारत का दल इस एशियन गेम्स में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के साथ उतरने की तैयारी कर रहा है।

कार्लोस अल्कारेज को क्वार्टर फाइनल में मिली अमेरिकी खिलाड़ी से मात

यूएस ओपन 2026 में पुरुष सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में उस समय बड़ा उलटफेर देखने को मिला जब वर्ल्ड नंबर-3 खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज को अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन जो अभी रैंकिंग में 8वें नंबर पर हैं उनको मात देने में कामयाब रहे। इस हार के साथ ही कार्लोस अल्कारेज का ग्रैंड स्लैम में चले आ रहे उनकी लगातार 18 जीत का सिलसिला भी रुक गया। कार्लोस अल्कारेज को पिछली बार ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में हार साल 2025 में विंबलडन फाइनल मैच में जैनिक सिनर के खिलाफ मिली थी, जिसके बाद अब उन्होंने मुकाबला गंवाया है। बेन शेल्टन के खिलाफ यह क्वार्टर फाइनल मैच 5 सेट तक चला जिसमें कार्लोस दो ही सेट को अपने नाम करने में कामयाब हो सके। बता दें कि कार्लोस अल्कारेज इंजरी के बाद वापसी कर रहे थे, जिसमें उन्होंने इस साल विंबलडन और फ्रेंच ओपन दोनों में चोटिल होने की वजह से हिस्सा नहीं लिया था। कार्लोस अल्कारेज जो मौजूदा यूएस ओपन डिफेंडिंग चैंपियन भी हैं वह इस मुकाबले में 2-1 के अंतर से पिछड़ने के बाद चौथे सेट में वापसी करने में कामयाब रहे और उसे उन्होंने एकतरफा 6-1 के अंतर से अपने नाम किया जिसके चलते मुकाबला 2-2 की बराबरी पर आ गया।

जो रूट को पाकिस्तान के खिलाफ करना होगा सिर्फ ये काम

बर्मिंघम के एजबेस्टन में 9 सितंबर से पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की सीरीज का तीसरा और आखिरी टेस्ट शुरू हो चुका है। रूट इस मुकाबले में अपना 169वां टेस्ट खेल रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के स्टीव वॉ और रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने अपने करियर में 168-168 टेस्ट मैच खेले थे। रूट अब टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। रूट ने दिसंबर 2012 में भारत के खिलाफ नागपुर टेस्ट से अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की थी। करीब 14 साल के करियर में वह इंग्लैंड के सबसे प्रमुख बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं और अब उनके पास सचिन का बहुत बड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने का शानदार मौका है। दरअसल, टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड फिलहाल सचिन तेंदुलकर और जो रूट के नाम संयुक्त रूप से है। दोनों बल्लेबाजों ने टेस्ट क्रिकेट में 68-68 अर्धशतक लगाए हैं। ऐसे में एजबेस्टन में रूट एक फिफ्टी जड़ते ही सचिन को पीछे छोड़ देंगे और टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। एजबेस्टन टेस्ट रूट के लिए एक और खास पड़ाव लेकर आया है।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों ने एजबेस्टन में उड़ाए पाकिस्तान के होश, पूरी टीम सिर्फ 133 रन पर ढेर

पाकिस्तान की बल्लेबाजी एजबेस्टन में इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के सामने पूरी तरह बिखर गई। शुरुआती झटकों से टीम उबर ही नहीं सकी और एक समय ऐसा लग रहा था कि 100 रन तक पहुंचना भी मुश्किल होगा। आखिरकार सऊद शकील की 43 रन की पारी और आखिरी विकेट की साझेदारी के सहारे पाकिस्तान पहली पारी में 133 रन तक पहुंच सका। इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों ने एजबेस्टन में पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। तीन मैचों की सीरीज के आखिरी टेस्ट में इंग्लैंड के पेस अटैक के सामने पाकिस्तान की पूरी टीम पहली पारी में सिर्फ 133 रन पर ढेर हो गई। जोश टंग ने चार विकेट लिए, जबकि ओली रॉबिन्सन और जोफ्रा आर्चर ने तीन-तीन बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। पाकिस्तान के लिए सऊद शकील ने सबसे ज्यादा 43 रन बनाए। उनके अलावा किसी बल्लेबाज ने बड़ी पारी नहीं खेली। रॉबिन्सन ने बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए 15 रन देकर तीन विकेट झटके। उनका इकॉनमी रेट महज 1.36 रहा। पाकिस्तान ने लंच तक सात विकेट गंवा दिए थे और स्कोर 100 रन था। ब्रेक के बाद रॉबिन्सन ने तीसरी ही गेंद पर डेब्यू कर रहे रज़ाउल्लाह को स्लिप में कैच करा दिया। इसके बाद टंग ने शकील की पारी का अंत किया। गेंद ने ऑफ स्टंप के बाहर से अंदर की ओर मूव किया और शकील का ऑफ स्टंप उखाड़ दिया। उन्होंने 47 गेंदों में 43 रन बनाए। पाकिस्तान की आखिरी जोड़ी मोहम्मद अब्बास और मोहम्मद अली ने कुछ देर तक इंग्लैंड के गेंदबाजों को परेशान किया। दोनों ने 26 रन जोड़े, जो पाकिस्तान की इस पारी की सबसे बड़ी साझेदारी रही। खास बात यह रही कि इस सीरीज में पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाजों की पांच पारियों में कुल 20 रन की साझेदारी भी नहीं हुई है। हालांकि, अब्बास के दूसरी स्लिप में कैच आउट होते ही पाकिस्तान की पारी समाप्त हो गई। आर्चर ने उनका विकेट लेकर अपने खाते में तीसरी सफलता जोड़ी और पाकिस्तान 133 रन पर ऑलआउट हो गया। पाकिस्तान के लिए शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने सिर्फ 48 रन के स्कोर पर पांच विकेट गंवा दिए थे। शान मसूद भी आर्चर की गेंद पर मिडविकेट में कैच आउट हुए।

बोन मैरो क्या है, उसका क्या काम होता है, जानिए बोन मैरो फंक्शन को कैसे बेहतर बनाएं?

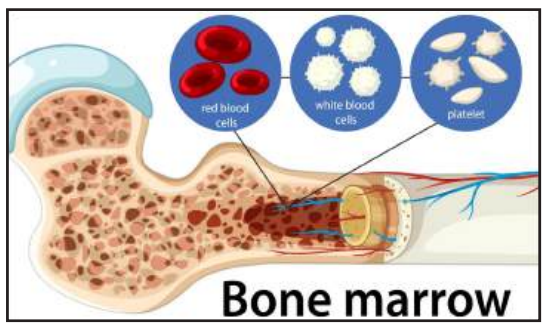

अक्सर आपने सुना होगा कि बोन मैरो ट्रांसप्लांट होता है। कैंसर में बोन मैरो की जांच बहुत जरूरी होती है। कई खतरनाक बीमारियों के इलाज के लिए बोन मैरो को सुरक्षित रखना जरूरी होता है। हालांकि आम लोगों को पता नहीं होता कि बोन मैरो कई अंग है या कोई टेस्ट का नाम है या ये शरीर में कहां होता है। बोन मैरो का फंक्शन क्या है और इसे कैसे स्वस्थ रखा जा सकता है। आइये डॉक्टर नेहा गर्ग (वरिष्ठ सलाहकार एवं चिकित्सा ऑन्कोलॉजी विभाग की प्रमुख, एंड्रोमेडा कैंसर अस्पताल, सोनीपत) से जानते हैं बोन मैरो के बारे में। डॉक्टर नेहा गर्ग ने बताया कि बोन मैरो को हिंदी में अस्थि मज्जा कहते हैं ये हड्डियों के अंदर के सॉफ्ट और स्पंजी टिशूज होते हैं। यही शरीर में खून की कोशिकाएं बनाता है। बोन मैरो शरीर के लिए लाल रक्त कोशिकाएं (RBC), सफेद रक्त कोशिकाएं (WBC) और प्लेटलेट्स बनाने का काम करता है। यह नरम, स्पंजी और खून से भरा भरपूर ऊतक होता है। इसे नॉर्मली माइक्रोस्कोप के नीचे जांचकर देखा जाता है। कैंसर में बोन मैरो हमेशा ही खराब नहीं होता। यह इन स्थितियों में प्रभावित हो सकता है जैसे ब्लड कैंसर- ल्यूकेमिया (leukemia), मायलोमा (myeloma) और कुछ लिम्फोमा (lymphoma) में कैंसर सेल्स सीधे बोन मैरो में बढ़ने लगते हैं। दूसरे कैंसर जैसे जैसे ब्रेस्ट कैंसर, प्रोस्टेट कैंसर, लंग कैंसर में सेल्स हड्डियों तक फैल जाएं तो मैरो का नॉर्मल ब्लड सेल्स प्रोडक्शन कम हो सकता है। कीमोथेरेपी या रेडिएशन से भी बोन मैरो कुछ समय के लिए दब सकता है, जिससे Hb, WBC और platelets कम हो सकते हैं। मरीज में खून की कमी (Hb कम), बार-बार इंफेक्शन होने (WBC कम), या ब्लीडिंग/नील पड़ना (प्लेटलेट्स कम) हो सकता है। लेकिन केवल Hb/WBC/platelets कम होने से यह साबित नहीं होता कि कैंसर बोन मैरो में फैल गया है। इसके कई अन्य कारण भी हो सकते हैं। जरूरत पड़ने पर बोन मैरो एस्पिरेशन या बायोप्सी से इसकी पुष्टि की जाती है। ब्लड कैंसर में बोन मैरो ट्रांसप्लांट भी किया जा सकता है। हम क्या खाते हैं, हमारी जीवनशैली कैसी है और हम तनाव को कैसे संभालते हैं , ये सभी रक्त उत्पादन को प्रभावित करते हैं। यह शरीर के बाकी हिस्सों से अलग नहीं है।

फैटी लिवर को रिवर्स करने के लिए क्या करें? डॉक्टर ने बताए आसान और असरदार तरीके

जब लिवर में जरूरत से ज्यादा फैट जमा होने लगता है, तो इसे फैटी लिवर कहा जाता है। यह एक गंभीर स्थिति है लेकिन अपनी जीवनशैली में कुछ बदलाव कर आप फैटी लिवर कंट्रोल कर सकते हैं। एम्स ट्रेंड डॉक्टर प्रियंका सहरावत के अनुसार, शुरुआती चरण में फैटी लिवर को कई मामलों में जीवनशैली में बदलाव करके सुधारने में मदद मिल सकती है।

संतुलित आहार लें: डाइट में हरी सब्जियां, साबुत अनाज, दालें, फल, नट्स और पर्याप्त प्रोटीन शामिल करें। बहुत ज्यादा तला-भुना और सैचुरेटेड फैट वाला खाना कम करें। मीठे पेय और ज्यादा शुगर वाली चीजों का सेवन भी सीमित करना जरूरी है। शारीरिक गतिविधि: फैटी लिवर में नियमित एक्सरसाइज और शारीरिक गतिविधि फायदेमंद हो सकती है। रोजाना तेज चाल से चलना, साइकिल चलाना, तैराकी या अपनी क्षमता के अनुसार दूसरी एक्सरसाइज को रूटीन में शामिल किया जा सकता है। लंबे समय तक लगातार बैठे रहने से बचें।

वजन को कंट्रोल में रखें: अगर वजन ज्यादा है तो धीरे-धीरे और टिकाऊ तरीके से वजन कम करना लिवर में जमा फैट को कम करने में मदद कर सकता है। क्रैश डाइट या बहुत तेजी से वजन घटाने के बजाय संतुलित डाइट और नियमित एक्सरसाइज पर ध्यान देना बेहतर है।

ज्यादा चीनी और अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड से दूरी बनाएं: कोल्ड ड्रिंक, पैकेज्ड जूस, मिठाइयां, बिस्किट, केक, पेस्ट्री और दूसरे ज्यादा शुगर वाले खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित करें। अल्ट्रा-प्रोसेस्ड और बहुत ज्यादा कैलोरी वाले फूड्स भी कम लेना चाहिए।

शराब से बचें: शराब लिवर पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती है। अगर फैटी लिवर की समस्या है, तो शराब के सेवन को लेकर डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

अच्छी नींद लें: नींद की कमी और लगातार तनाव आपकी ओवरऑल हेल्थ और मेटाबॉलिज्म को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए रोजाना पर्याप्त और अच्छी गुणवत्ता वाली नींद लेने की कोशिश करें और तनाव को मैनेज करने के लिए मेडिटेशन, योग या दूसरी रिलैक्सेशन तकनीकों को अपनाया जा सकता है।

डॉक्टर प्रिंयका कहती हैं अगर आपको फैटी लिवर है, तो इसे नजरअंदाज न करें।

वेजिटेरियन डाइट में प्रोटीन की कमी नहीं होने देंगे ये फूड्स

हमारे शरीर के लिए प्रोटीन क्यों जरूरी है इसको लेकर अभी भी देश में जागरूकता कम हैं। खासकर, अगर आप शाकाहारी हैं तो आपकी समस्या और भी बढ़ जाती है। क्योंकि, रोजाना पर्याप्त प्रोटीन लेना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसे में डाइट में सही प्रोटीन रिच फूड्स को शामिल करना जरूरी है। बोर्ड-सर्टिफाइड गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. सौरव सेठी ने कुछ ऐसे शाकाहारी खाद्य पदार्थ बताए हैं, जिन्हें डाइट में शामिल करके प्रोटीन की जरूरत को पूरा करने में मदद मिल सकती है। ग्रीक योगर्ट: अगर आप वेजिटेरियन हैं तो प्रोटीन की कमी को पूरा करने के लिए अपनी डाइट में ग्रीक योगर्ट को जरूर शामिल करें। 100 ग्राम ग्रीक योगर्ट में लगभग 10 ग्राम प्रोटीन होता है। इसके साथ ही यह प्रोबायोटिक्स से भरपूर है जो आपकी गट हेल्थ को हेल्दी रखने में मदद करता है।

सोया चंक्स: वेजिटेरियन डाइट में प्रोटीन की कमी को पवार करने के लिए सोया चंक्स सबसे बेहतरीन विकल्प है। 100 ग्राम सोया चंक्स में लगभग 50 ग्राम प्रोटीन पाया जाता है जो आसानी से आपके एक दिन के प्रोटीन इनटेक को पूरा करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा इसमें ल्युसीन नामक अमीनो एसिड पाया जाता है जो मांशपेशियों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाता है।

पनीर, टोफू: पनीर और टोफू भी प्रोटीन की कमी को पूरा करने में बेहद असरदार हैं। 100 ग्राम पनीर में लगभग 18 ग्राम प्रोटीन पाया जाता है।

वहीं, टोफू उन लोगों के लिए बेहतरीन विकल्प है जो लोग वीगन हैं। यह सोयाबीन से बनता है और इसमें भी प्रोटीन बहुत ज्यादा होते हैं। 100 ग्राम टोफू में लगभग 12 ग्राम प्रोटीन पाया जाता है।

क्या आप भी फ्रिज से निकालकर तुरंत खा लेते हैं दही? डॉक्टर ने बताया क्यों बदलनी चाहिए ये आदत

दही का सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। खासकर, दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स गट हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। हालांकि, ठंडी दही का सेवन करने से आपको फायदे की जगह नुकसान हो सकता है। आयुर्वेद के अनुसार, ठंडी दही पचने में भारी होती है और शरीर में कफ या बलगम बढ़ा सकती है। कैंसर हीलर सेंटर में डायरेक्टर डॉक्टर तरंग कृष्णा बता रहे हैं कि फ्रिज से निकालकर तुरंत ठंडी दही खाने से क्यों बचना चाहिए और इसे खाने का सही तरीका क्या है? फ्रिज से निकालने के तुरंत बाद दही का सेवन करने से बचने की सलाह इसलिए दी जाती है क्योंकि बहुत ठंडा दही पाचन अग्नि को धीमा कर देता है और शरीर में कफ दोष को बढ़ाता है। वहीं, फ्रिज का काम सिर्फ दही को प्रिजर्व करना है उसकी गुणवत्ता को बढ़ाना नहीं है। दही में मौजूद प्रोबायोटिक बैक्टीरिया तापमान के अनुसार अलग-अलग तरह से सक्रिय रहते हैं। डॉक्टर तरंग कृष्णा कहते हैं कि माइक्रोबायोलॉजी की स्टडी यह बताती है कि दही के अंदर मौजूद गुड बैक्टीरिया नॉर्मल टेम्प्रेचर पर सबसे ज्यादा एक्टिव होते हैं। इसलिए, दही को खाने से कुछ समय पहले फ्रिज से निकालकर नॉर्मल रूम टेम्प्रेचर पर रखकर ही खाना चाहिए।

आधे घंटे पहले फ्रिज से निकाल दें: दही खाने से पहले उसे आधे या एक घंटे पहले फ्रिज में से निकाल दें। जब वह रूम टेम्प्रेचर पर आ जाए तब उसका सेवन करना चाहिए।

दिन के समय करें सेवन: दही का सेवन हमेशा दोपहर के समय लंच के दौरान ही करें। क्योंकि यह पाचन में मदद करता है और पेट को ठंडा रखता है। आप दही में भुना हुआ जीरा और काली मिर्च का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

रात में न खाएं: रात के समय दही खाने से बचना चाहिए। रात के समय इसका सेवन करने से सर्दी-जुकाम, कफ या पाचन की समस्या हो सकती है।

ताजा दही: हमेशा मीठा और ताजा जमा हुआ दही ही इस्तेमाल करें, ज्यादा खट्टा या बासी दही सेहत बिगाड़ सकता है।

दही का सेवन करते समय मात्रा का भी ध्यान रखना जरूरी है। संतुलित मात्रा में ताजा दही भोजन का हिस्सा बनाया जा सकता है।

खाना खाने के बाद 10 मिनट वॉक करना क्यों है जरूरी, डॉक्टर ने बताए डिनर के बाद टहलने के फायदे

आजकल लोगों की लाइफस्टाइल इतनी बिजी हो चुकी है कि खुद के लिए टाइम नहीं बचता। यही वजह है कि लोगों में हेल्थ प्रॉब्लम्स बढ़ते जा रहे हैं। कोई मोटापे की समस्या से परेशान है तो कोई हाई ब्लड प्रेशर से। इसकी असल वजह से फिजिकल एक्टिविटी की कमी। आपने देखा होगा कि कई लोग खाने के तुरंत बाद बिस्तर पर चले जाते हैं। लेकिन शायद आपको मालूम नहीं है कि खाने के तुरंत बाद बिस्तर पर जाना आपकी सेहत के लिए कितना खतरनाक हो सकता है। ऐसे में फेमस डॉक्टर सलीम जैदी ने बताया है कि खाना खाने के बाद 10 मिनट वॉक करना क्यों जरूरी है। खाना खाने के बाद हमारे शरीर में ग्लूकोज का लेवल अचानक बढ़ता है। डॉ. सलीम जैदी के अनुसार, डिनर के बाद 10 मिनट टहलने से मांसपेशियां खून में मौजूद ग्लूकोज का उपयोग ऊर्जा के रूप में करने लगती हैं। इससे ब्लड शुगर स्पाइक नहीं होता और इंसुलिन सेंसिटिविटी में सुधार आता है। यह आदत टाइप-2 डायबिटीज के मरीजों और प्रीडायबिटीज से जूझ रहे लोगों के लिए बेहद फायदेमंद है। भोजन के बाद हल्की चहलकदमी से पेट और आंतों में संकुचन की प्रक्रिया तेज होती है। इससे खाना तेजी से पचता है और आंतों में सही तरीके से आगे बढ़ता है। जो लोग गैस, एसिडिटी, ब्लोटिंग या इनडायजेशन से परेशान रहते हैं, उन्हें 10 मिनट की वॉक से तुरंत राहत मिलती है। खाना खाते ही सीधे बिस्तर पर लेटने से पेट का एसिड ऊपर भोजन की नली की ओर आने लगता है, जिससे सीने में जलन और एसिडिटी होती है।

'कुछ दर्द दिखाई नहीं देते', जानिए मानसिक पीड़ा से जुड़े 5 बड़े मिथक और उनके तथ्य

मानसिक स्वास्थ्य हमारे जीवन का उतना ही जरूरी हिस्सा है, जितना शारीरिक स्वास्थ्य।

फिर भी मानसिक परेशानी को लेकर समाज में आज भी कई तरह के भ्रम और झिझक मौजूद हैं। खासकर आत्महत्या जैसे संवेदनशील विषय पर खुलकर बात करने के बजाय अक्सर चुप्पी साध ली जाती है। यही चुप्पी कई बार किसी परेशान व्यक्ति को और अकेला महसूस करा सकती है। इसलिए जरूरत है कि हम आत्महत्या से जुड़े मिथकों को समझें, उन्हें तोड़ें और संवेदनशीलता के साथ लोगों का साथ दें। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि सबसे आम भ्रम है कि जो लोग आत्महत्या की बात करते हैं, वे वास्तव में ऐसा करना नहीं चाहते। हकीकत यह है कि गहरे मानसिक और भावनात्मक दर्द से गुजर रहे कई लोग सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से अपनी परेशानी या आत्महत्या से जुड़े विचार व्यक्त कर सकते हैं। ऐसे किसी भी संकेत को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। दूसरा मिथक है कि किसी व्यक्ति से आत्महत्या के बारे में पूछने से उसके मन में यह विचार आ सकता है। ऐसा नहीं है।

कमर दर्द और गर्दन की अकड़न से हैं परेशान; रोज करें ये योगासन, रीढ़ रहेगी मजबूत

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में दफ्तर में घंटों तक कंप्यूटर के सामने बैठे रहना और गलत पोस्चर में काम करने से थकान और शारीरिक गतिविधियों की कमी से कम उम्र में ही कमर दर्द, गर्दन में अकड़न और स्पाइन से जुड़ी समस्याएं आम होती जा रही हैं। ऐसे में योग रीढ़ को स्वस्थ और लचीला बनाए रखने का सबसे आसान और प्राकृतिक तरीका है। योग के नियमित अभ्यास से न सिर्फ रीढ़ की हड्डी मजबूत होती है बल्कि शरीर का पोस्चर भी सुधरता है और दर्द से राहत मिलती है। हम आपको ऐसे कुछ आसनों के बारे में बताएंगे, जो स्वस्थ रीढ़ के लिए प्रभावकारी हैं। ताड़ासन - यह योग की सामान्य मुद्राओं में से एक माना जाता है, जो पूरे शरीर को हल्का खिंचाव देकर (पोश्चर) को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह रीढ़ की हड्डी को मजबूत और सीधा रखता है, कंधों और गर्दन की जकड़न कम करता है, शरीर के संतुलन और स्थिरता को बढ़ाता है। ऊर्ध्व हस्तोत्तानासन - यह एक खड़े होकर किया जाने वाला योगासन है, जो रीढ़ की हड्डी को स्वस्थ, लचीला और मजबूत बनाने में मदद करता है। साइड में झुकने से पसलियों की मांसपेशियां खुलती हैं, जिससे फेफड़ों को ऑक्सीजन लेने के लिए अधिक जगह मिलती है। अर्ध चक्रासन - आयुष मंत्रालय के अनुसार, अर्ध चक्रासन (हाफ व्हील पोज) एक बेहतरीन बैकबेंडिंग (पीछे की ओर झुकने वाला) योगासन है, जो रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन और फेफड़ों की कार्यप्रणाली में सुधार करने में अत्यधिक प्रभावी है। इस आसन को करने के दौरान शरीर पीछे की ओर झुकता है।

वैश्विक मंदी के बावजूद भारत का व्यापार हुआ मजबूत, अप्रैल-अगस्त में 15% बढ़ा निर्यात

दुनिया भर में आर्थिक अनिश्चितता और व्यापारिक चुनौतियों के बीच भारत के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। अप्रैल से अगस्त 2026 के दौरान भारत का माल निर्यात करीब 15 फीसदी बढ़ा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर जारी उथल-पुथल के बावजूद भारत के एक्सपोर्ट सेक्टर ने मजबूत प्रदर्शन किया है। यह आंकड़ा ऐसे समय आया है, जब दुनिया के कई बाजारों में मांग और व्यापार को लेकर चिंता बनी हुई है। ब्रिक्स महिला व्यापार गठबंधन के महिला-नेतृत्व विकास शिखर सम्मेलन में पीयूष गोयल ने बताया कि चालू वित्त वर्ष के शुरुआती पांच महीनों यानी अप्रैल से अगस्त के बीच भारत का मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट 15 फीसदी से अधिक बढ़ा है। अगस्त के निर्यात और आयात के आधिकारिक आंकड़े वाणिज्य मंत्रालय 15 सितंबर को जारी करेगा। इससे पहले अप्रैल-जुलाई के दौरान भारत का निर्यात 17.04 फीसदी बढ़कर 173.78 अरब डॉलर हो गया था। इसी अवधि में आयात 19.27 फीसदी बढ़कर 292.38 अरब डॉलर रहा। गोयल ने कहा कि भारत और ब्रिक्स देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं।

औषधीय गुणों से भरपूर है बेल का पेड़, आयुष मंत्रालय ने बताए इसके चमत्कारी गुण

भारत में पेड़-पौधों का महत्व सिर्फ पर्यावरण तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि प्राचीन समय से ही कई पौधों का इस्तेमाल औषधीय जरूरतों के लिए भी किया जाता रहा है। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण पौधा है बेल, जिसे संस्कृत में बिल्व और अंग्रेजी में वुड एप्पल कहा जाता है। नेशनल मेडिसिनल प्लांट्स बोर्ड, आयुष मंत्राल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बेल के औषधीय महत्व से जुड़ी जानकारी साझा की है। वनस्पति विज्ञान में बेल का नाम एगल मार्मेलोस है और यह रैसेसी परिवार से संबंधित है। यह पेड़ मुख्य रूप से भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया का मूल निवासी माना जाता है। भारत में यह सूखे जंगलों और मैदानी क्षेत्रों में आमतौर पर देखने को मिलता है। खास बात यह है कि बेल अलग-अलग तरह की जलवायु में भी आसानी से पनप सकता है और कम उपजाऊ मिट्टी में भी अच्छी तरह बढ़ने की क्षमता रखता है। बेल का पेड़ मध्यम आकार का पर्णपाती वृक्ष होता है, जिसकी ऊंचाई करीब 15 मीटर तक पहुंच सकती है। इसकी पत्तियां तीन पत्तियों वाले समूह यानी त्रिपर्णी होती हैं और इनमें हल्की सुगंध होती है। बेल के फूल हरे-सफेद रंग के और सुगंधित होते हैं। इसका फल कच्चा और सूखने के बाद भी कई पारंपरिक उपयोगों में काम आता है।

EPF एडवांस निकासी के नियम बदले, अब बीमारी और बच्चों की पढ़ाई के लिए PF से पैसे निकालना हुआ आसान

पीएफ खाताधारकों के लिए राहत की खबर है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) ने ईपीएफ एडवांस निकालने के नियमों को आसान किया है, जिससे जरूरत के समय कर्मचारी अपने पीएफ खाते से पैसे निकाल सकते हैं। अब बीमारी, बच्चों की पढ़ाई, शादी और घर से जुड़ी जरूरतों के लिए एडवांस निकासी के प्रावधान को समझना पहले से आसान हो गया है। ईपीएफओ ने अलग-अलग जरूरतों के हिसाब से निकासी की सीमा और कितनी बार पैसा निकाला जा सकता है, इसकी जानकारी शेयर की है। नए नियम के मुताबिक, ईपीएफ सदस्यता के 12 महीने पूरे होने के बाद कर्मचारी एडवांस निकालने के लिए पात्र हो सकता है। कर्मचारी और नियोक्ता के योगदान तथा उस पर मिले ब्याज को मिलाकर ईपीएफ खाते में जमा कुल राशि का अधिकतम 75 फीसदी तक एडवांस निकाला जा सकता है। यानी आपके पीएफ खाते में कर्मचारी और कंपनी दोनों के योगदान के साथ ब्याज की रकम जमा है तो निर्धारित पात्रता के अनुसार उसका 75 फीसदी तक हिस्सा एडवांस के रूप में निकाला जा सकता है। ईपीएफओ ने जरूरी जरूरतों को एक अलग कैटेगरी में रखा है। इसमें बीमारी, शिक्षा और विवाह शामिल हैं। बीमारी की स्थिति में कर्मचारी खुद या परिवार के इलाज के लिए एडवांस ले सकता है और इसके लिए निकासी की संख्या की कोई सीमा नहीं बताई गई है। वहीं शिक्षा के लिए सदस्यता अवधि के दौरान अधिकतम 10 बार और विवाह के लिए अधिकतम 5 बार एडवांस निकाला जा सकता है। आवास से जुड़ी जरूरतों के लिए भी ईपीएफ एडवांस का प्रावधान है। कर्मचारी मकान, फ्लैट या प्लॉट खरीदने, मकान बनाने, होम लोन चुकाने और घर के नवीनीकरण या सुधार के लिए एडवांस ले सकता है। इस कैटेगरी में सदस्यता अवधि के दौरान अधिकतम 5 बार निकासी की अनुमति है। इसके अलावा ईपीएफओ द्वारा अधिसूचित विशेष परिस्थितियों में एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम 2 बार एडवांस निकाला जा सकता है। पीएफ एडवांस के लिए ईपीएफओ के आधिकारिक पोर्टल के जरिए आवेदन किया जा सकता है। आवेदन करने से पहले खाते में बैंक, पैन और आधार की KYC पूरी होना जरूरी है। नियमों के अनुसार पात्रता पूरी होने पर आवेदन की प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। ईपीएफ एडवांस की सुविधा का उद्देश्य कर्मचारियों को अचानक आने वाली आर्थिक जरूरतों के समय अपने ही पीएफ फंड का सीमित इस्तेमाल करने की सुविधा देना है। हालांकि, एडवांस के लिए निर्धारित शर्तों और पात्रता को पूरा करना जरूरी है। शिक्षा और विवाह के लिए निकासी पर तय संख्या की सीमा लागू रहेगी।

18 साल की बेटी को पति के साथ रहने की अनुमति, हाई कोर्ट बोला- मां-बाप की मर्जी नहीं हो सकती हावी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 18 वर्षीय युवती को अपने पति के साथ रहने की अनुमति देते हुए कहा कि माता पिता की चिंताएं एक वयस्क व्यक्ति को अपना जीवन साथी चुनने की संविधान के तहत मिली स्वतंत्रता से ऊपर नहीं हो सकती। जस्टिस संदीप जैन ने अधिकारियों को युवती और उसके पति की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि माता पिता की चिंताएं हालांकि जायज हैं, लेकिन वे एक वयस्क व्यक्ति को संवैधानिक रूप से मिली स्वतंत्रता से ऊपर नहीं हैं। अपना जीवन साथी चुनने का अधिकार व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सम्मान का पहलू है और राज्य और उसकी संस्थाओं के लिए जरूरी है कि वे ऐसी स्वायत्तता का सम्मान करें। सुनवाई के दौरान, युवती के पति की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि वह कानूनी रूप से विवाहित उसके मुवक्किल मोहित की पत्नी है और इनकी शादी इनके माता पिता की इच्छा के विरुद्ध हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि शादी के बाद लड़की को उसके पिता और रिश्तेदारों ने अवैध रूप से रोककर रखा है। उन्होंने बताया कि इस मामले में जब कोई FIR दर्ज नहीं की गई तो लड़की ने खुद भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता की धारा 173(4) के तहत 20 जुलाई, 2026 को बदायूं में सक्षम अदालत के समक्ष शिकायत कर अपने पिता और रिश्तेदारों के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध किया। वहीं दूसरी ओर, युवती के पिता ने इस बात से इनकार किया कि उनकी बेटी ने मोहित से विवाह किया था। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी अपनी इच्छा से अपने माता पिता के घर में रह रही है और उसे अवैध रूप से रोक कर नहीं रखा गया है। राज्य सरकार के वकील ने कहा कि पिता ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई जिसके बाद लड़की को बरामद कर उसे उसके पिता को सौंप दिया गया था। इससे पहले 31 अगस्त को हाईकोर्ट ने दस्तावेजों पर गौर करने के बाद पाया कि लड़की वयस्क हो चुकी है और इसलिए वह अपना जीवन साथी चुनने और अपनी पसंद की जगह पर रहने के लिए स्वतंत्र है। यह पता लगाने के लिए कि क्या वह स्वेच्छा से अपने माता पिता के घर में रह रही है या उसे अवैध रूप से रोककर रखा गया है, कोर्ट ने लड़की को पेश करने का निर्देश दिया था। 7 सितंबर को जब लड़की को अदालत में पेश किया गया तो जस्टिस संदीप जैन ने उसकी उम्र, इच्छा और किन परिस्थितियों में वह रह रही है, इसका पता लगाने के लिए लड़की से बातचीत की। लड़की ने बताया कि उसकी जन्म तारीख आठ जून, 2008 है और वह बालिग हो चुकी है। लड़की ने बताया कि उसने अपनी इच्छा से 18 जुलाई, 2026 को मोहित से शादी की और वह अपने पति के साथ पत्नी के तौर पर ससुराल में रहने की इच्छुक है। लड़के ने भी शादी की बात स्वीकार की और कहा कि वह पति के तौर पर लड़की के साथ रहना चाहता है। लड़की के पिता ने भी कोर्ट में स्वीकार किया कि उसकी बेटी बालिग हो चुकी है। वहीं, एक अन्य मामले में हाल ही में इलाहाबाद हाइकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि "नाबालिग बेटी की कस्टडी पिता को देने से ननिहाल वाले मना नहीं कर सकते।" इस मामले में कोर्ट के सामने एक ओर युवती की व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद का सवाल था, वहीं दूसरी ओर उसके माता-पिता की आपत्तियां भी थीं।

गणेश चतुर्थी से पहले बड़े ऐलान, आंध्र प्रदेश में पूजा पंडालों में बिजली फ्री

आंध्र प्रदेश सरकार ने गणेश उत्सव मनाने वाले आयोजकों को बड़ी राहत देने का फैसला किया है। सरकार ने कहा है कि गणेश उत्सव के लिए लगाए जाने वाले सभी पंडालों को मुफ्त बिजली दी जाएगी। राज्य के शिक्षा मंत्री नारा लोकेश ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। मंत्री लोकेश ने बताया कि गणेश चतुर्थी पर पूरे आंध्र प्रदेश में लगाए जाने वाले गणेश पंडाल लगाने वालों को बिजली के लिए किसी तरह का भुगतान नहीं करना होगा। सरकार के इस फैसले से पंडालों की सजावट और रोशनी पर होने वाले खर्च में आयोजकों को बड़ी राहत मिलेगी। गणेश चतुर्थी से पहले गणेश उत्सव को लेकर आंध्र प्रदेश के बाद महाराष्ट्र सरकार ने भी श्रद्धालुओं के लिए राहत का ऐलान किया है। महाराष्ट्र के PWD मंत्री शिवेंद्रसिंहराजे भोंसले ने बताया था कि गणेश उत्सव के दौरान मुंबई से कोंकण जाने वाले लोगों को कुछ प्रमुख मार्गों पर टोल टैक्स नहीं देना होगा। इसका फायदा उन परिवारों को मिलेगा जो गणेश उत्सव के लिए सिंधुदुर्ग, कोल्हापुर और कोंकण क्षेत्र में अपने पैतृक गांवों की ओर जाते हैं। टोल में छूट मिलने से यात्रियों के करीब 650 से 700 रुपये तक बच सकेंगे।

नए बने सेप्टिक टैंक में सेन्ट्रिंग खोलने गए थे मजदूर, अंदर ही दम घुटने से एक के बाद एक 3 की मौत

ओडिशा के रायगड़ा जिले के पद्मपुर में एक दर्दनाक हादसे से इलाके में सनसनी फैल गई। एक नए बनाए गए सेप्टिक टैंक के अंदर दम घुटने से तीन लोगों की मौत हो गई। घटना उस समय हुई, जब तीनों व्यक्ति नए बने टैंक के अंदर से सेंट्रिंग का सामान निकालने का काम कर रहे थे। जानकारी के मुताबिक, सबसे पहले एक व्यक्ति टैंक के अंदर गया। कुछ समय बाद उसे अंदर सांस लेने में परेशानी होने लगी। यह देखकर दूसरे लोग उसकी मदद करने के लिए एक-एक करके टैंक के अंदर चले गए। लेकिन अंदर जाने के बाद तीनों ही बेहोश हो गए और बाहर नहीं निकल सके। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया और तीनों लोगों को टैंक के अंदर से बाहर निकाला। इसके बाद तीनों को इलाज के लिए पद्मपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालांकि, अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। इस हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान हरिश्चंद्र बीर, आलोक कराड़ा और प्रकाश लिमा के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि बंद टैंक के अंदर दम घुटने की वजह से उनकी जान गई।

हालांकि, यह भी जांच का विषय है कि टैंक के अंदर किसी तरह की जहरीली गैस मौजूद थी या फिर ऑक्सीजन की कमी के कारण यह हादसा हुआ। इस घटना ने बंद और कम हवा वाले स्थानों में काम करने के दौरान सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नए बने टैंक, सीवेज टैंक या अन्य बंद जगहों के अंदर पर्याप्त वेंटिलेशन नहीं होने पर वहां सांस लेने लायक ऑक्सीजन कम हो सकती है या खतरनाक गैसें जमा हो सकती हैं। ऐसी स्थिति में बिना उचित सुरक्षा व्यवस्था के अंदर जाना जानलेवा साबित हो सकता है। घटना के बाद संबंधित अधिकारियों की ओर से हादसे के कारणों की जांच शुरू की जा सकती है। टैंक के अंदर का वातावरण किस स्थिति में था और वहां काम करने वाले लोगों के लिए सुरक्षा के क्या इंतजाम किए गए थे, इसकी जानकारी जांच के दौरान सामने आ सकती है। पोस्टमार्टम और अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं के बाद मौत की वास्तविक वजह को लेकर स्थिति और स्पष्ट होगी। इस तरह के हादसों में सबसे बड़ा खतरा यह होता है कि बंद जगह में मौजूद गैस या ऑक्सीजन की कमी का पता बाहर से नहीं चल पाता। कई बार कोई व्यक्ति मदद के लिए बिना सुरक्षा उपकरण के अंदर जाता है और वह भी उसी खतरे की चपेट में आ सकता है। पद्मपुर की घटना में भी एक व्यक्ति के बाद दूसरे लोगों के अंदर जाने से स्थिति और गंभीर हो गई। विशेषज्ञों के अनुसार, सेप्टिक टैंक, सीवर, कुएं और अन्य बंद स्थानों में प्रवेश करने से पहले वहां की हवा की जांच और पर्याप्त वेंटिलेशन जरूरी होता है।

पाकिस्तान के सिंध में भी है भगवान जगन्नाथ की 36000 एकड़ जमीन, अब शुरू होगा सबसे बड़ा लैंड वेरिफिकेशन

भगवान श्री जगन्नाथ से जुड़ी जमीन और संपत्तियों को लेकर ओडिशा सरकार ने बड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। सरकार अब ओडिशा के साथ-साथ देश के दूसरे हिस्सों और देश के बाहर मौजूद श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन की जमीन की पहचान, जांच और रिकॉर्ड तैयार करने की प्रक्रिया शुरू करेगी। वहीं, आपको बता दें कि भगवान जगन्नाथ इतने अमीर हैं कि बैंक में 1912 करोड़ रुपये पड़े हैं और जमीन इतनी कि एक शहर बस जाए। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने आज एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की, जिसमें श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन की जमीन, उस पर हुए अतिक्रमण, जमीन के रिकॉर्ड और जमीन के निपटारे से जुड़े नियमों पर विस्तार से चर्चा की गई। कानून मंत्री के अनुसार, अब तक भगवान श्री जगन्नाथ से जुड़ी करीब 36,000 एकड़ जमीन की पहचान की जा चुकी है। बताया जा रहा है कि पहचान की गई जमीन में से लगभग 25 से 26% जमीन पर फिलहाल अतिक्रमण है। यानी मंदिर प्रशासन की काफी जमीन ऐसी है, जिस पर दूसरे लोगों का कब्जा बताया जा रहा है। अब सरकार इन जमीनों के रिकॉर्ड की जांच करेगी, इसके बाद यह पता लगाया जाएगा कि कौन सी जमीन कहां है, उस पर किसका कब्जा है और किन मामलों में कानूनी कार्रवाई या जमीन की वापसी की जरूरत है।

दिल्ली के सत्य निकेतन में किस वजह से ढही 5 मंजिला इमारत? पुलिस ने आरोपी से पूछताछ कर बताई एक-एक बात

दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में 5 मंजिला इमारत गिरने के बाद से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को बताया कि सत्य निकेतन में पीजी ढहने के मामले में गिरफ्तार एक आरोपी से पूछताछ में पता चला है कि इमारत के भूतल पर एक दुकान बनाने के लिए एक दीवार तोड़ी गई थी जिससे पूरी इमारत ढह गई। पुलिस के मुताबिक, यह जानकारी श्रमिक ठेकेदार सनोज कुमार से पूछताछ में सामने आई है। पुलिस ने बताया कि दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को ढह गई इमारत में 'पेइंग गेस्ट' (PG) का संचालन करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह इस मामले में अब तक हुई पांचवीं गिरफ्तारी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान भजनपुरा निवासी 31 वर्षीय सुधांशु लवनीश के तौर पर हुई है। इससे एक दिन पहले मंगलवार को इमारत में मरम्मत का काम करा रहे ठेकेदार सनोज कुमार को उत्तर प्रदेश के कासगंज से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक, पूछताछ में सनोज ने दावा किया कि भूमिगत तल को समतल करने का काम किया जा रहा था। भूतल पर दुकान बनाने में बाधा बन रही एक दीवार को तोड़ दिया गया। इसके बाद इमारत ढह गई। सत्य निकेतन इलाके में रविवार दोपहर को मरम्मत के दौरान एक इमारत गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई थी। इस इमारत का इस्तेमाल छात्रों के लिए पीजी आवास के रूप में किया जा रहा था। इमारत के मलबे से 12 लोगों को निकाला गया था। इससे पहले पुलिस ने भवन ढहने के सिलसिले में इमारत की मालकिन 75 वर्षीय उर्मिला गुप्ता, वायु सेना से सेवानिवृत्त 81 साल के उनके पति हरिराम गुप्ता और उनके बेटे महेश गुप्ता (52) को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया कि महेश, सुधांशु और सनोज को एक अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। अधिकारी के अनुसार, सुधांशु ने पूछताछ में बताया कि है कि उसने अपने दोस्त शुभम त्यागी के साथ, 'हॉस्टल डेज़' के नाम से पीजी संचालन के लिए सत्य निकेतन क्षेत्र में इस इमारत की चार मंजिलें अगस्त 2025 में 1.05 लाख रुपये महीने के किराए पर पट्टे पर ली थी।

तमिलनाडु में सीएम विजय की TVK गठबंधन को मिला नया नाम, 'सेक्युलर सोशल जस्टिस विक्ट्री अलायंस' पर सहमति

तमिलनाडु में अभिनेता विजय की पार्टी TVK के नेतृत्व वाले गठबंधन को आखिरकार नया नाम मिल गया है।

तमिलनाडु में अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी TVK के नेतृत्व वाले गठबंधन को आखिरकार नया नाम मिल गया है। चेन्नई में हुई बैठक के बाद गठबंधन का नाम 'सेक्युलर सोशल जस्टिस विक्ट्री अलायंस' तय किया गया है। इस गठबंधन में TVK के साथ कांग्रेस, VCK, MDMK और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (IUML) शामिल हैं। गठबंधन का नाम तय करने को लेकर बुधवार को चेन्नई के पनायुर स्थित TVK मुख्यालय में अहम बैठक हुई। बैठक में कांग्रेस, VCK, MDMK और IUML के प्रमुख नेता शामिल हुए। बैठक में गठबंधन की आगे की रणनीति और चुनावी तालमेल को लेकर भी चर्चा हुई। बैठक में कांग्रेस की ओर से मणिकम टैगोर, थारागाई कथबर्ट और प्रवीण चक्रवर्ती मौजूद रहे। VCK की ओर से पार्टी प्रमुख थोल थिरुमावलवन के साथ वन्नी अरसु, रवि कुमार और सिंथनई सेलवन शामिल हुए। MDMK की तरफ से पार्टी प्रमुख वाइको और दुरई वाइको ने हिस्सा लिया, जबकि IUML की ओर से के.एम. कादर मोइदीन और शाहजहाँ बैठक में शामिल हुए। गठबंधन के नाम में 'सेक्युलर' और 'सोशल जस्टिस' जैसे शब्दों को शामिल किए जाने से इसके राजनीतिक एजेंडे का संकेत भी मिलता है। वहीं 'विक्ट्री अलायंस' के जरिए TVK प्रमुख विजय के नेतृत्व और चुनावी जीत के लक्ष्य को सामने रखा गया है। तमिलनाडु की राजनीति में TVK के इस गठबंधन को अहम माना जा रहा है। कांग्रेस, VCK, MDMK और IUML के साथ गठबंधन बनने से TVK को राज्य की सियासत में अपना आधार मजबूत करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (CPM) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (CPI) ने यहां टीवीके मुख्यालय में हुई बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला किया था। माकपा पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि टीवीके सरकार को उसका समर्थन मुद्दा-आधारित और बाहर से दिया जाने वाला समर्थन है।

पार्टी का राज्य के मंत्रिमंडल में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। कांग्रेस, विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) के वरिष्ठ नेता बैठक में शामिल हुए। इस बैठक में सत्तारूढ़ गठबंधन की संरचना को नया नाम देने पर सहमति बनी। साथ ही इस अहम बैठक में साझा न्यूनतम कार्यक्रम तैयार करने, संयुक्त संचालन समिति गठित करने पर चर्चा हुई। बता दें कि पिछले महीने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा योजना के विस्तार की घोषणा की। इस योजना के तहत महिला लाभार्थी अब डीलक्स और एक्सप्रेस बसों में भी मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। इसकी घोषणा सीएम विजय ने विधानसभा में की। इसके अलावा अन्य कई अहम घोषणाएं करते हुए विजय ने तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के प्रमुख चुनावी वादों को पूरा करने की दिशा में तीन मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर देने का भी ऐलान किया। आने वाले समय में समिति की संरचना और जिम्मेदारियों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकती है।

PG से लेकर अवैध निर्माण तक... दिल्ली में MCD का ताबड़तोड़ एक्शन, जानें कहां-कहां हुई कार्रवाई

दिल्ली के सत्य निकेतन में हुए दर्दनाक हादसे के बाद दिल्ली नगर निगम (MCD) ने जर्जर इमारतों पर कार्रवाई तेज कर दी है। राजधानी में अवैध निर्माण, संपत्तियों के दुरुपयोग और असुरक्षित इमारतों के खिलाफ MCD ने आज बड़ा अभियान चलाया। MCD की ओर से दिल्ली के सभी 12 जोन में गहन कार्रवाई की गई। इस दौरान 34 तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई, जबकि 17 संपत्तियों को सील किया गया। यह कार्रवाई MCD की ओर से चलाए जा रहे व्यापक और लगातार जारी प्रशासनिक अभियान का हिस्सा है। आधिकारिक डिवीजन रिकॉर्ड के मुताबिक, 1 जून 2026 से 9 सितंबर 2026 के बीच MCD अब तक 1,053 तोड़फोड़ की कार्रवाई, 491 संपत्तियों को सील और 2,316 कारण बताओ नोटिस जारी कर चुका है। इसके अलावा 757 डिमोलिशन नोटिस भी जारी किए गए हैं। 9 सितंबर की कार्रवाई में नरेला जोन सबसे प्रमुख रहा, जहां 6 बड़े स्तर की डिमोलिशन ड्राइव चलाई गईं। वहीं साउथ जोन में एक अनधिकृत इमारत को ध्वस्त किया गया। सेंट्रल जोन में 5 और केशवपुरम जोन में 3 तोड़फोड़ की कार्रवाई की गईं। इसके अलावा वेस्ट जोन में विकास नगर के डीप एन्क्लेव पार्ट-2 में खतरनाक संपत्ति के खिलाफ तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई।

दिल्ली लाल किला ब्लास्ट की चार्जशीट में बड़े खुलासे, धमाका सुसाइड बॉम्बिंग थी, जानें क्या क्या पता चला?

दिल्ली लाल किला ब्लास्ट की चार्जशीट में बड़े खुलासे हुए हैं। बता दें कि एनआईए ने 13 आरोपियों के ख़िलाफ़ चार्जशीट दायर की थी। चार्जशीट में हुए खुलासे में पता चला है कि उमर उन नवी लाल क़िले ब्लास्ट का मास्टरमाइंड था और उसी ने ख़ुद को बम से उड़ाया था, डॉक्टर उमर सुसाइड बॉम्बर था। शाहीन सईद के पेन ड्राइव से 87 फ़ोटो मिले जिसमे आतंकी डॉक्टर मुज़्ज़मिल शकील और शाहीन सईद के AK 47 पिस्टल और मैगज़ीन के साथ फ़ोटो मिले, सभी आतंकी संगठन अंसार गज़वात-उल-हिन्द यानी AGuH और AQIS से जुड़े हुए थे। ब्लास्ट के लिए TATP और अल्युमिनियम नाइट्रेट का इस्तेमाल हुआ था। इस ब्लास्ट में 11 लोगो की मौत हुई थी और 29 लोग घायल हुए थे। NIA की चार्जशीट में धमाके को लेकर कई अहम बातें सामने आई हैं। जांच एजेंसी के मुताबिक, धमाके में इस्तेमाल हुई Hyundai i20 कार वास्तव में एक Vehicle-Borne Improvised Explosive Device (VBIED) थी। यानी कार को ही विस्फोटक से लदे बम के तौर पर इस्तेमाल किया गया था। फॉरेंसिक जांच में कार के मलबे और धमाके वाली जगह से मिले सामान में TATP, अमोनियम नाइट्रेट और पोटैशियम नाइट्रेट जैसे विस्फोटक पदार्थों के निशान मिले हैं। NIA का दावा है कि इन नमूनों की DNA फिंगरप्रिंटिंग से उनकी पहचान उमर उन नबी के तौर पर हुई। जांच एजेंसी के मुताबिक, इसका मतलब यह है कि धमाके के वक्त उमर उन नबी उसी कार के अंदर मौजूद था।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार । RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415